सांध्य दैनिक
4PM

जो समय बचाते हैं, वे धन बचाते हैं और बचाया हुआ धन, कमाएं हुए धन के बराबर है।
-महात्मा गाँधी

मूल्य ₹ 3/-

जिद...सच की

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_SanjayS | YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 10 ● अंक: 285 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार, 23 नवम्बर, 2024

भारत ने कंगारूओं को 104 रन पर... 7 | भाषण पर भाषण, लुट गया... 3 | यूपी के अफसर लूट रहे राज्य... 2

विस चुनावों में जनता ने नहीं बदली सरकार

झारखंड ने फिर किया हेमंत सोरेन पर भरोसा

» महाराष्ट्र में महायुति बरकरार

» फडणवीस, एकनाथ हेमंत व अजित जीते

» वायनाड में प्रियंका ने तोड़ा रिकॉर्ड

» यूपी में सपा को भाजपा ने दिया झटका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दो राज्यों के विधान सभा चुनाव परिणाम आ गए है। जनता ने महाराष्ट्र व झारखंड में वर्तमान सरकारों पर ही फिर से भरोसा जताया है। झारखंड में जहां इंडिया गठबंधन ने एनडीए को झटका देकर एकबार फिर बहुमत से सरकार में वापसी की है तो वहीं महाराष्ट्र में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को महायुति के आगे हारना पड़ा वहां भी सरकार की वापसी हो रही है। उधर देश के सबसे अहम राज्य यूपी के उपचुनावों में एनडीए ने 9 में से सात सीटों पर बढ़त लेकर सपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

लोकसभा के उपचुनाव में वायनाड से कांग्रेस की प्रियंका गांधी ने भारी वोटों के साथ संसद जाने का प्रमाणपत्र पा लिया है। देश के अन्य राज्यों में इंडिया व एनडीए गठबंधन में कांटे का टक्कर देखने को मिला। बंगाल में टीएमसी, बिहार में एनडीए, कर्नाटक में कांग्रेस को बढ़त हासिल हुई। मैदान में उतरे बड़े नेताओं में देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे, अजित पवार, उद्धव ठाकरे, अबु आजमी, हेमंत सोरेन, बाबू लाल मरांडी ने अपने-अपने चुनावों में जीत हासिल कर लिया है।

राज्य में झामुमो का जलवा कायम रुझानो में इंडिया गठबंधन को बढ़त

झारखंड की सभी 81 सीटों पर आज मतों की गणना हो रही है। झारखंड में 2 चरणों में 13 और 20 नवंबर को वोट डाले गए थे, पहले चरण में 66 प्रतिशत और दूसरे चरण में 68 प्रतिशत मतदान हुए थे, मतदान के बाद सामने आए एग्जिट पोल के दावे बंटे हुए थे। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के. रवि कुमार ने बताया कि मतगणना शाम चार बजे तक पूरी हो जाने की संभावना है, उन्होंने बताया कि सबसे कम 13 दौर में मतगणना तोरपा विधानसभा क्षेत्र में होगी, जबकि चतरा सीट के लिए सबसे अधिक 24 दौर में मतगणना होगी। हेमंत सोरेन सरकार की झारखंड में वापसी राज्य के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ जब किसी गठबंधन सरकार की वापसी हुई। साल 2000 में बिहार से अलग होकर झारखंड अलग राज्य का गठन हुआ था।

चुनाव/बढ़त/रुझान (दोपहर 3 बजे तक)

राज्य	महायुति/एनडीए	एमवीए /इंडिया	अन्य
महाराष्ट्र	223	52	13
झारखंड	25	55	01

उपचुनाव/बढ़त/रुझान

राज्य	एनडीए	कांग्रेस/अन्य
यूपी	7	2
बंगाल	0	6
कर्नाटक	0	3
राजस्थान	5	1
मप्र	1	1
असम	2	1
पंजाब	0	4

कल्पना आगे, सीता और वसंत सोरेन पीछे

झारखंड विधानसभा चुनाव में जहां एक तरफ जेएमएम और कांग्रेस गठबंधन को शानदार जीत मिल रही है। हालांकि सोरेन परिवार के 4 में से तीन सदस्य पीछे चल रहे हैं। सिर्फ हेमंत सोरेन बरहेट सीट से आगे चल रहे हैं। वहीं कल्पना सोरेन गांडेय से आगे है। बसंत सोरेन दुमका सीट से पीछे चल रहे हैं। बीजेपी की टिकट पर जामताड़ा से चुनाव लड़ रही सीता सोरेन भी कांग्रेस के उम्मीदवार से पीछे चल रहे हैं।

महाराष्ट्र में सीएम पर फंसेगा पेंच!

भाजपा विधायक प्रवीण दरेकर ने शनिवार को मांग की कि फडणवीस को अगला मुख्यमंत्री नियुक्त किया जाए क्योंकि विधानसभा चुनाव की मतगणना के शुरुआती रुझानों में महायुति गठबंधन की जीत का संकेत मिल रहा है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में जो पार्टी सबसे ज्यादा सीटें हासिल करेगी, वही मुख्यमंत्री पद पाने की हकदार होगी। वहीं मुख्यमंत्री के सवाल को लेकर एकनाथ शिंदे ने कहा कि जिस तरीके से हमारे गठबंधन के दलों ने मिलकर चुनाव लड़ा, उसी तरह हम लोग मिल बैठकर मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार को भी तय करेंगे। मुख्यमंत्री को लेकर हमारे गठबंधन के भीतर कोई मतभेद नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने केंद्र की सरकार के साथ मिलकर काम किया है।

हमें इनाम मिला: शिंदे

सीएम एकनाथ शिंदे ने इस विजय के लिए आम लोगों और अपने कार्यकर्तों को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का भी बड़ा बयान आया है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यह लैंडस्लाइड विक्ट्री है। उन्होंने कहा कि महायुति को महाराष्ट्र की जनता ने बहुमत दिया है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने जो काम किया है, उसका यह फल है। साथ ही साथ उन्होंने महिलाओं का भी आभार जताया। इसके साथ ही एकनाथ शिंदे ने विपक्ष पर भी जबरदस्त वार किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने सिर्फ आरोप लगाने का काम किया है। हमने अपने काम से उसका जवाब दिया है। मैं महाराष्ट्र के मतदाताओं को धन्यवाद देता हूं। यह एक जबरदस्त जीत है, मैंने पहले ही कहा था कि महायुति को प्रचंड जीत मिलेगी।

यूपी में गुंडागर्दी चल रही है: डिंपल

उत्तर प्रदेश उपचुनाव में समाजवादी पार्टी को मिली करारी हार पर सपा सांसद डिंपल यादव ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया है कि प्रशासन और बीजेपी मिले हुए हैं और गुंडागर्दी चल रही है, सपा सांसद ने कहा कि ये झूठी अफवाहें फैला रहे हैं, ये लोग जिस तरह अफवाह फैला रहे हैं ये लोग हार रहे हैं, पूरा शासन प्रशासन बीजेपी के एजेंट बने हुए हैं। यूपी विधानसभा उपचुनाव पर सपा सांसद डिंपल यादव ने कहा, बीजेपी की गुंडागर्दी चल रही है. जहां भी मतगणना चल रही है, सरकार और प्रशासन बीजेपी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं.हमारे कार्यकर्ता और बूथ अध्यक्ष लगातार संपर्क में हैं और हमें इस बारे में बता रहे हैं. अगर लोकतंत्र में ऐसी चीजें हो रही हैं, जहां लोगों को वोट देने से रोका गया, तो यह बहुत गंभीर बात है.वे डरे हुए हैं, इसलिए वे प्रशासन का इस्तेमाल कर रहे हैं.मुझे लगता है कि बीजेपी को पता होना चाहिए कि वे सत्ता से बाहर जा रहे हैं और कोई भी उन्हें सत्ता में नहीं रख सकता। सांसद डिंपल यादव ने कहा, जिन कठिन परिस्थितियों में उपचुनाव हुए थे, उसके बावजूद मैं समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं और उन मतदाताओं को धन्यवाद देना चाहूंगी जिन्होंने अपने मतों का प्रयोग किया। महाराष्ट्र और झारखंड विधानसभा चुनाव के नतीजे पर उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के नतीजे जो हम सोच रहे थे वो उसके विपरीत आए हैं।कहीं न कहीं इस बात पर विचार करने की जरूरत है कि इस तरह के नतीजे क्यों आए हैं, मैं उम्मीद करती हूं कि महाराष्ट्र में जो पार्टियां गठबंधन में हैं वो इस पर विचार करेंगी।

एक है तो 'सेफ' हैं : फडणवीस

महाराष्ट्र में भाजपा के सबसे प्रमुख नेता देवेन्द्र फडणवीस ने एक्स पर पोस्ट में पीएम मोदी और योगी के एक हैं तो सेफ हैं के नारे को दोहराया है। महाराष्ट्र चुनाव परिणाम पर फडणवीस ने कहा कि एक है तो 'सेफ' है। मोदी है तो मुमकिन हैं। अब ऐसे में ये भी खबर चल पड़ी है कि क्या एकनाथ शिंदे को बीजेपी के देवेंद्र फडणवीस की तरह पीछे किया जाएगा और किसी नए चेहरे पर महाराष्ट्र में दांव लगाया जाएगा? यह सारे सवाल आज इसलिए भी उठ रहे हैं क्योंकि विधानसभा चुनाव प्रचार में भी एनडीए ने सीएम फेस घोषित नहीं किया और नतीजे के बाद तय करने की बात दोहराई।

यूपी के अफसर लूट रहे राज्य का पैसा : अखिलेश

» जयपुर में सपा प्रमुख बोले- राजस्थान में कर रहे इन्वेस्ट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने गत दिनों जयपुर पहुंचकर राज्य के अफसरों पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी में कई अफसर लूट में लगे हैं। इसमें राजस्थान के भी कई अधिकारी हैं। सुनने में आ रहा है यूपी से कमा कर राजस्थान में इन्वेस्ट कर रहे हैं। सोचिए, यूपी का पैसा राजस्थान में इन्वेस्ट हो रहा है। अखिलेश ने कहा कि हम ऐसे अफसरों की लिस्ट भी बनाएंगे और आपसे भी मदद मांगेंगे कि ऐसे अधिकारियों के बारे में जानते होंगे। हमारी मदद जरूर करना।

अडाणी मामले को लेकर अखिलेश ने कहा कि यह लंबी लड़ाई है, चलती रहेगी। यूपी में बीजेपी वोट लूटने में लगे थी। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी ने लोकतंत्र को सबसे निचले स्तर पर पहुंचा दिया है। डीएम, एसपी, कमिश्नर सब इसमें लगे थे। महिलाओं को पिस्टल दिखाकर रोकने वाला इंस्पेक्टर रिश्वत ले चुका था। यूपी पुलिस के कुछ अधिकारी राजस्थान में पकड़े गए थे। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी की सरकार में नए तरह से लोकतंत्र को खतरा पैदा हो गया है कि आप वोट डालने नहीं जा सकते।

पुलिस ने पिस्टल दिखाकर महिलाओं को वोट डालने से रोका, क्या आप महिलाओं को वोट करने से राकेंगे? मैं उन बहादुर महिलाओं को बधाई देना चाहता हूं उन्होंने साहस दिखाया। वो गोली और इंस्पेक्टर से नहीं डरे। वो इंस्पेक्टर ऐसा है, जिसने अभी कुछ दिन पहले रिश्वत ली थी।

रिश्वत में लिए एक लाख रुपए वापस हुए हैं, अभी सुनने में आया है। कुछ पुलिस वाले राजस्थान में पकड़े गए थे, यूपी पुलिस के कुछ अधिकारी राजस्थान में पकड़े गए थे। अखिलेश यादव ने कहा कि कैमरा झूठ नहीं बोल सकता, हम पर और आप पर दबाव हो सकता है, लेकिन आपका कैमरा देखेगा तो सच दिखाएगा, कैमरा तो नहीं झूठ बोल सकता।

याद किए गए धरती पुत्र मुलायम सिंह

समाजवादी पार्टी के संस्थापक व पूर्व मुख्यमंत्री तथा पद्मविभूषण मुलायम सिंह यादव की जयंती शुक्रवार को मनाई गई। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में पार्टी कार्यालय भिनगा में उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें याद किया। कार्यक्रम के दौरान जिलाध्यक्ष सर्वजीत यादव ने कहा कि मुलायम सिंह यादव समाजवाद के न सिर्फ पुरोधा थे बल्कि उनमें समाजवाद कूट-कूट कर भरा था। डॉ. राम मनोहर लोहिया ने जिस समाजवाद की कल्पना की सपा संस्थापक ने उसे साकार रूप दिया था। उन्होंने सभी धर्मों को समान अधिकार दिलाने के साथ ही मजदूरों, किसानों, छात्रों व युवाओं के लिए जितना किया उतना कोई और सरकार नहीं कर सकी। हमें संकल्प लेना होगा कि हम उन्हीं के आदर्शों पर चल कर पार्टी को मजबूत बनाएं। उनके व्यक्तित्व व कृतित्व पर चर्चा करते हुए उनके रास्ते पर चलने का संकल्प लिया गया। इस मौके पर सांसद राम शिरोमणि वर्मा, भिनगा विधायक इंद्राणी वर्मा, पूर्व विधायक मोहम्मद असलम राईनी, जिला उपाध्यक्ष अजहर हुसैन मंसूरी, सरोजिनी शर्मा, अरमान वर्मा, जिला उपाध्यक्ष ओमप्रकाश वर्मा, मुलायम यादव, रमेशचंद, डॉ. प्रभुनाथ पाल, शिवनारायण यादव, कुलदीप वर्मा, सुरेश पासवान, नरेंद्र यादव व रामप्रकाश सहित काफी संख्या में पार्टी पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

चाचा गठबंधन में थे कब : चिराग

पशुपति पारस के एनडीए से अलग होने पर कसा तंज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। आरएलजेपी प्रमुख पशुपति कुमार पारस और उनके भतीजे, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बीच एक बार फिर तीखी जुबानी जंग देखने को मिली है, जब चिराग ने अपने चाचा के एनडीए से अलग होने की अटकलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि वह कभी भी इसका हिस्सा नहीं थे। पटना में पत्रकारों से बात करते हुए, एलजेपी (रामविलास) प्रमुख ने पारस की आलोचना की, जिन्हें बार-बार एनडीए पर पीठ में छुरा घोंपने का आरोप लगाते हुए सुना जा सकता है।

पासवान ने पशुपति कुमार पारस के एनडीए छोड़ने की अटकलों पर भी बयान दिया। पासवान ने कहा कि किसी भी चीज़ से अलग होने का मतलब है कि पहले आपको किसी चीज़ का हिस्सा बनना होगा। क्या वह (आरएलजेपी प्रमुख) कभी एनडीए का हिस्सा थे? हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव के दौरान भी वह एनडीए गठबंधन का हिस्सा नहीं थे। न ही वह विधानसभा चुनाव के दौरान वहां थे। उन्होंने कहा कि अलगाव तब होता है जब आप किसी चीज का हिस्सा होते हैं, लेकिन वह (आरएलजेपी प्रमुख) वास्तव में कभी भी एनडीए का हिस्सा नहीं थे। इससे पहले केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान के बागी चाचा पशुपति कुमार पारस को सोमवार को पटना में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी का कार्यालय खाली करना पड़ा। घटनास्थल की तस्वीरों में 1 व्हीलर रोड स्थित बंगले से सारा सामान बाहर ले जाते हुए दिख रहा है। बिहार सरकार के भवन निर्माण विभाग ने उन्हें ऑफिस खाली करने का नोटिस दिया था।

कोर्ट और भवन निर्माण विभाग ने उन्हें ऑफिस खाली करने के लिए 13 नवंबर तक का समय दिया था, लेकिन उससे पहले ही ऑफिस खाली कर दिया गया और पारस अपने एमएलए कॉलोनी स्थित घर में शिफ्ट हो गए पशुपति पारस को यह बंगला चार दशक पहले विधायक रहने के दौरान मिला था। लेकिन बाद में, चुनाव हारने के बाद, यह घर दिवंगत राम विलास पासवान के नेतृत्व वाली लोक जनशक्ति पार्टी के नाम पर आवंटित कर दिया गया। अक्टूबर 2020 में राम विलास पासवान के निधन के बाद चिराग पासवान और पशुपति कुमार पारस के बीच मतभेद के बाद एलजेपी दो हिस्सों में बंट गई।

रोजगार-आरक्षण और भर्ती में लाएंगे तेजी : उमर

जम्मू-कश्मीर की पहली कैबिनेट बैठक में हुआ फैसला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। जम्मू और कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने जम्मू में अपनी सरकार की पहली कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता की, जिसमें रोजगार, आरक्षण और भर्ती प्रक्रियाओं सहित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई और कई दिशा-निर्देश जारी किए गए। बैठक में जम्मू और कश्मीर में सरकारी नौकरियों में आरक्षण सीमा को संशोधित करने की बढ़ती मांग पर विचार किया गया और इस मुद्दे पर सभी हितधारकों के साथ संवाद करने के लिए एक उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया गया।

उपमुख्यमंत्री सुंदरी कुमार चौधरी अन्य मंत्री और मुख्य सचिव अतल डुल्लू भी बैठक में शामिल हुए। यह बैठक मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की सरकार के कार्यकाल में अब तक की दूसरी बैठक थी। बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए जल शक्ति और वन मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा कि बैठक में रोजगार, आरक्षण, भर्ती प्रक्रियाओं और विकास जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। आज हम मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की। हमने माननीय उपराज्यपाल के विधानसभा में दिए गए भाषण की चर्चा की और उसे मंजूरी दी। बैठक में किए गए सभी निर्णयों को उचित समय पर सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विधानसभा सत्र में उपराज्यपाल के भाषण में उल्लेखित हर महत्वपूर्ण पहलू को बैठक में शामिल किया गया है। रोजगार को लेकर उठे सवालों के जवाब में राणा ने कहा मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे अपने-अपने विभागों में बेरोजगारी के मुद्दे को प्राथमिकता दें और इसे हल करने के लिए कार्यवाही शुरू करें।

हम अपनी 100 दिन की योजना के तहत अगले दो महीनों में ठोस उपाय पेश करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बेरोजगारी का समाधान चुनावी घोषणापत्र का महत्वपूर्ण वादा है और सरकार इसे पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। विभागों में खाली पदों को भरने के बारे में राणा ने कहा कि बैठक में यह विचार किया गया कि क्या इन पदों को सार्वजनिक सेवा आयोग (पीएससी) या जम्मू-कश्मीर सेवा चयन बोर्ड (एसएसआरबी) को सौंपा जाए। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि इन पदों के लिए विज्ञापन निश्चित समय सीमा में जारी किए जाएं।

हमारा चुनावी घोषणापत्र अब एक सरकारी दस्तावेज : राणा

जल शक्ति और वन मंत्री जावेद अहमद राणा ने कहा हमारा चुनावी घोषणापत्र अब केवल एक वादा नहीं है, बल्कि यह अब एक सरकारी दस्तावेज है। चाहे गैस सिलेंडरों की आपूर्ति हो या अन्य कल्याणकारी उपाय, मुख्यमंत्री ने सभी मंत्रियों को निर्देश दिया है कि वे इसे पूरी तत्परता और ईमानदारी से लागू करने के लिए विभागीय कार्रवाई शुरू करें। आरक्षण नीति के (समायोजन) के बारे में पूछे गए सवाल पर राणा ने कहा कि इस मुद्दे पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री ने एक उप-समिति गठित करने का निर्णय लिया है, जो सभी हितधारकों के साथ संवाद करेगी। इस मुद्दे पर कोई भी निर्णय जनता के हित में होगा। बेरोजगार युवाओं में असंतोष तब बढ़ा जब जम्मू और कश्मीर लोक सेवा आयोग (जेकेपीएससी) ने स्कूल लेक्चरर्स के 575 पदों की विज्ञप्ति जारी की जिनमें से केवल 238 पद सामान्य श्रेणी के उम्मीदवारों के लिए थे जबकि 337 पद आरक्षित श्रेणियों के लिए थे।

वाईएसआरसीपी शासन में ब्रांड आंध्र की छवि हुई धूमिल : नायडू

» सीएम चंद्रबाबू का बयान, अमेरिका में दायर अभियोग पर करेंगे कार्रवाई

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हैदराबाद। अमेरिका में गौतम अडानी को दोषी ठहराए जाने के बाद राज्य पर लगे आरोपों पर पहली बार प्रतिक्रिया देते हुए आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने विधानसभा में कहा कि राज्य सरकार के पास अभियोग रिपोर्ट हैं और उन्होंने आश्वासन दिया कि किसी भी प्रकार की अनियमितता पर कार्रवाई की जाएगी।

नायडू ने कहा कि जब तक उनकी तेलुगु देशम पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार सत्ता में आई है, वह

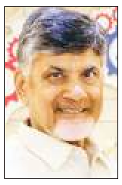

2019 से 2024 तक वाईएसआरसीपी शासन के दौरान कथित भ्रष्टाचार पर चर्चा कर रही है। नायडू ने विधानसभा में कहा कि मेरे पास अमेरिका में दायर अभियोग की सभी रिपोर्टें हैं। हम उनका अध्ययन करेंगे और उसके अनुसार कार्रवाई करेंगे। हम बताएंगे कि हम क्या कार्रवाई करेंगे। पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करने वाले कुछ एनडीए सदस्यों पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, नायडू ने कहा कि पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के खिलाफ आरोपों ने आंध्र प्रदेश की ब्रांड छवि को नुकसान पहुंचाया है।

भाषण पर भाषण, लुट गया राशन

पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना का अन्न गायब

» मोदी की सबसे बड़ी योजना में भ्रष्टाचार!

» योगी का यूपी बना भ्रष्टाचार में नंबर वन

» सरकार पर बढ़ रहा बोझ

» कौन खा रहा गरीबों के हिस्से का अनाज

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अपनी गरीब कल्याण योजना के दम पर तीसरी बार सत्ता पर काबिज होने वाले बीजेपी नीत गठबंधन एनडीए सरकार की यह स्कीम अब भ्रष्टाचार के आरोपों में आ गई है। ऐसी खबरें आ रही है कि कई राज्यों में इस योजना के लिए भेजा गया राशन गरीबों थाली में पंहुचने से पहले भ्रष्टाचारियों के गोदामों में पहुंच गई।

सबसे बड़ी अचंभे की बात तो यह है इस राशन को बाटने के लिए डिजिटल तरीके अपनाए गए हैं जिसके अंर्तगत लोगों यह राशन ई-पाश मशीनों से अंगूठे लगवाकर वितरित किए जाते हैं ये मशीने आधार कार्ड से जुड़ी हुई हैं। हर भाषण में मोदी व योगी इस योजना व इसके तरीके की तारीफ में भाषणों को लंबा कर देते हैं वह इतनी बड़ी धांधली पर चूं तक नहीं कर रहे हैं।

28 प्रतिशत अनाज जा कहां रहा है

सवाल ये ही उठता है कि आखिर 28 प्रतिशत अनाज जा कहां रहा है.. आखिर कौन हैं वो लोग जो इस अनाज को गायब कर रहे हैं.. आखिर ये अनाज की लीकेज है कहां? वोटों की राजनीति के चक्कर में मोदी सरकार ऐलान तो बड़े-बड़े कर देती है, लेकिन उनका नतीजा क्या हो रहा है या क्या वो योजनाएं जरूरतमंदों तक पहुंच भी रही हैं या नहीं इस ओर सरकार कोई ध्यान नहीं देती है.. सरकार पर 69 हजार करोड़ का बोझ पड़ रहा है, साथ ही जिस योजना का गाना गाकर बीजेपी और मोदी लोगों से वोट मांगते हैं, उस योजना का पूरा लाभ मिल भी नहीं रहा है.. लगभग एक-तिहाई अनाज गायब है.. आखिर ये चोरी कहां हो रही है और कौन कर रहा है,ये सरकार को पता लगाना चाहिए.. क्योंकि वैसे भी नरेंद्र मोदी के सत्ता में आने के बाद से देश पर कर्ज बढ़ता जा रहा है.. ऐसे में इस लीकेज की वजह से भी सरकार पर बोझ तो पड़ रहा है, लेकिन गरीबों को योजना का पूरा लाभ भी नहीं मिल रहा है.. ऐसे में पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना के इस इतने बड़े लीकेज या घपले पर सरकार को जल्द से जल्द ध्यान देना चाहिए और आरोपियों पर सख्त से सख्त एक्शन लेना चाहिए।

सरकारी राशन डकारने में कोटेदार भी पीछे नहीं

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना में कोटेदार भी धांधली करने में पीछे नहीं हैं। बिहार और यूपी में इस तरह की धांधलियों की शिकायतें ज्यादा आती हैं। यूपी में तो कोटेदार ने अपनी बहन व शादीशुदा बेटी को अंत्योदय योजना का फर्जीवाड़ा कर पात्र बना दिया। परिवार के इन दो सदस्यों के नाम अंत्योदय कार्ड बनाकर सरकारी राशन की कालाबाजारी कर रहा है, इसकी शिकायत ग्रामवासी ने सहायक पूर्ति अधिकारी से की , मामला जयसिंहपुर तहसील अंतर्गत ग्राम सभा हयात नगर का है। शिकायतकर्ता ने सहायक पूर्ति निरीक्षक को शिकायती पत्र देते हुए लिखा है कि ताजदार के नाम से ग्राम सभा में सरकारी राशन वितरण का कोटा चल रहा है, शिकायतकर्ता का आरोप है कि अंत्योदय राशन कार्ड में कोटेदार ने भ्रष्टाचार किया है, राशन कार्ड संख्या 217920659881 जोकि नसीर बानो के नाम से बना हुआ है, ये कोटेदार की सगी बहन है। वहीं, राशन कार्ड संख्या 217920714483 जोकि रुखसार फातमा के नाम से बना है, ये कोटेदार की पुत्री है और उसका विवाह भी हो चुका है। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि पहले तो दोनों राशन कार्ड को निरस्त कराया जाए, फिर जांच कराकर कोटेदार पर कार्रवाई की जाए,वहीं, शिकायतकर्ता आफताब ने स्वयं को पात्र बताते हुए अंत्योदय कार्ड बनाए जाने की मांग भी की है, इस मामले में पूर्ति विभाग के अधिकारियों ने शिकायत का संज्ञान लेकर जांच शुरू करा दी है। जिला पूर्ति अधिकारी जीवेश कुमार मौर्य ने बताया कि पूरा प्रकरण संज्ञान में आया है, जांच करने का निर्देश पूर्ति निरीक्षक को दिया गया है, जांच रिपोर्ट के आधार पर सत्यता पाए जाने पर राशन कार्ड निरस्त किया जाएगा। साथ ही कोटेदार के विरुद्ध भी कार्रवाई की जाएगी।

यूपी में गरीबों के राशन पर सबसे बड़ी डकैती

देश में सबसे अधिक रिसाव यानी घपलेबाजी उत्तर प्रदेश में हो रही है, शोध के अनुसार, उत्तर प्रदेश में पीडीएस लीकेज का अनुमान 33प्रतिशत है, यानी बीजेपी शासित उत्तर प्रदेश में 33 फीसदी राशन जरूरतमंदों तक नहीं पहुंचा, लीक हुए अनाज की कुल मात्रा के मामले में यह राज्य सूची में सबसे ऊपर है, आखिर ये अनाज कहां गया? जो अनाज गरीबों और जरूरतमंदों के लिए है, उस अनाज की घपलेबाजी कहां की जा रही है.. अगर जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच रहा है तो कौन कर रहा है उसका इस्तेमाल? रिपोर्ट में दावा किया गया है कि पूरे भारत में लाभार्थियों तक चावल न पहुंच पाने में उत्तर प्रदेश नंबर 1 है.. यहां 28.42 फीसदी चावल नहीं पहुंच पाया है.. शोध में ये भी बताया गया है कि हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और महाराष्ट्र में साइफनिंग की दर बहुत अधिक है.. इसमें अक्सर अनाज को खुले बाजार में वापस भेज दिया जाता है.. रिपोर्ट में आधार कार्ड का जिक्र करते हुए ये भी बताया गया कि पीडीएस के लिए लाभार्थियों के राशन कार्ड को आधार से जोड़ने से वितरण की प्रभावशीलता बढ़ी है, लेकिन पीडीएस में लीकेज अभी भी चिंता का विषय बना हुआ है।

कुछ सालों में बढ़ा मुफ्त की रेवड़ियां बांटने का चलन

आज के दौर की सियासत काफी बदल गई है। अब चुनावों में राजनीतिक दल और उनके नेता जनहित के वादे नहीं करते हैं, बल्कि मुफ्त की रेवड़ियां बांटते हैं। राजनीतिक दलों के बीच ये होड़ लगी है कि कौन कितना ज्यादा फ्री दे रहा है। इस फ्री की रेस में जनता के मुद्दे आए दिन पिछड़ते जा रहे हैं। क्योंकि अब कोई भी जनहित के मुद्दों और महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों पर बात ही नहीं करना चाहता। बस दावे किए जाते हैं मुफ्त की रेवड़ी बांटने के, एक-दूसरे से आगे निकलने की अंधी रेस लगी हुई है जिसमें मुफ्त रेवड़ियां लगातार बांटी जा रही हैं। ऐसी ही एक मुफ्त रेवड़ी है केंद्र की मोदी सरकार द्वारा फ्री में दिए जाने वाला राशन,कोरोना काल में शुरू हुई मोदी सरकार की ये स्कीम वोटों के चक्कर में आज भी देश में जारी है और केंद्र सरकार द्वारा इस स्कीम को साल 2028 तक आगे बढ़ा दिया गया है, यानी अब 2028 तक गरीबों को मुफ्त में राशन मिलता रहेगा, कोरोना काल के दौरान 2020 में मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की शुरुआत की थी, इस योजना के तहत लाभार्थियों को 5 किलो अनाज फ्री में मिलना तय हुआ था। इस योजना के तहत बीपीएल कार्ड वाले हर परिवार को एक महीने में पांच किलो राशन देने की बात कही गई है, इसमें चार किलो गेंहू और एक किलो चावल शामिल है।

योजना में कई कमियां कर रही परेशान

लेकिन बीजेपी और पीएम मोदी अपनी जिस अन्न योजना से देश के 80 करोड़ लोगों को लाभ पहुंचने का दंभ भरते हैं, क्या वाकई में ये योजना देश के 80 करोड़ लोगों का भला कर पा रही है? क्या वाकई में देश के 80 करोड़ लोगों तक इस योजना का पूरा लाभ पहुंच रहा है, तो इन सब सवालों का जवाब है नही, जी हां, सही सुना आपने, जिस योजना का राग अलाप कर प्रधानमंत्री मोदी और पूरी बीजेपी खुद को गरीबों का मसीहा और मोदी सरकार को गरीबों की सरकार व जनकल्याणकारी सरकार बताते हैं, असल में उस योजना का पूरा लाभ जरूरतमंदों तक पहुंच भी नहीं रहा है और ये बात हम हवा में नहीं कह रहे, बल्कि आंकड़े इस बात की गवाही देते हैं कि देश के जरूरतमंदों तक इस मुफ्त राशन वाली अन्न योजना का पूरा लाभ पहुंच तक नहीं रहा है.. यानी जितना अनाज सरकार की र से जरूरतमंदों के लिए दिया जाता है, उन्हें उतना मिल ही नहीं रहा है केंद्र की ओर से वाले अनाज को बीच में ही कहीं गायब किया जा रहा है.. अब ये लीकेज कहां है और वो अनाज कहां जा रहा है, ये बड़ा सवाल है गरीबों को पूरा राशन भी नहीं मिल रहा है और सरकार पर बोझ भी बढ़ रहा है लेकिन मोदी सरकार बस अपने गुणगान करने में व्यस्त है।

एक-तिहाई अनाज गरीबों तक नहीं पहुंच रहा

सोचने वाली बात ये है कि सरकार की तरफ से भेजा जा रहा करीब एक-तिहाई अनाज गरीबों तक नहीं पहुंच रहा है एक आर्थिक थिंक टैंक की तरफ से जारी एक पेपर में खुलासा किया गया है कि भारतीय खाद्य निगम और राज्य सरकारों द्वारा आपूर्ति किए जाने वाले लगभग 28 प्रतिशत अनाज कभी भी इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंचता है, यानी जिस योजना को लेकर सरकार तरह-तरह के दावे कर रही है और खुद को गरीबों का हितैषी बता रही है, असल में तो उफस योजना का पूरा लाभ मिल भी नहीं रहा है, जबकि इससे सरकारी खजाने को 69,000 करोड़ रुपये से अधिक का आर्थिक नुकसान होने का भी अनुमान है, इस शोध में घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) और एफसीआई के अगस्त 2022 से जुलाई 2023 तक के मासिक उठाव के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है, शोध का ऐसा मानना है कि 20 मिलियन टन चावल और गेहूं अपने इच्छित लाभार्थियों तक पहुंचने में विफल रहते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि 20 मिलियन टन चावल और गेहूं का रिसाव एक बड़ा वित्तीय बोझ है.. उस वर्ष गेहूं और चावल की आर्थिक लागत को ध्यान में रखते हुए जिससे सरकारी खजाने पर 69,108 करोड़ रुपये का बोझ पड़ेगा.. हालांकि, यह आंकड़ा 2011-12 में दर्ज 46% लीकेज से एक महत्वपूर्ण सुधार दर्शाता है, लेकिन यह अभी भी इंगित करता है कि मुफ्त/सब्सिडी वाले अनाज का एक बड़ा हिस्सा इच्छित लाभार्थियों तक नहीं पहुंच रहा है.. साथ ही ये सवाल भी उठाता है कि आखिर ये जा कहां रहा है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

आखिर ये जानलेवा सड़कें कब सुधरेंगी!

"भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। अभी हाल में अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कर, चार की मौत।

अभी तो कोहरे की शुरुआत हुई है और दुर्घटनाओं की खबरें आनी शुरू हो गई हैं। यूपी, बंगाल से लेकर दक्षिण भारत में हादसे होने लगे हैं। अब यह भी चर्चा है कि आखिर ये जानलेवा सड़कें कब सुधरेंगी। लोग तो यह भी कह रहे हैं कि भारत का सड़क यातायात तमाम विकास की उपलब्धियों एवं प्रयत्नों के बावजूद असुरक्षित एवं जानलेवा बना हुआ है, सुविधा की खूनी एवं हादसे की सड़कें नित-नयी त्रासदियों की गवाह बन रही है। भारत में सड़क दुर्घटनाएं मौतों और चोटों के प्रमुख कारणों में से एक रही हैं। अभी हाल में अलीगढ़ में सड़क हादसा, यमुना एक्सप्रेसवे पर बस-ट्रक भिड़ी, 5 की मौत, 15 से अधिक घायल। राजस्थान में पाली-जोधपुर हाइवे पर मरीज को एक एम्बुलेंस से दूसरे में शिफ्ट करते समय डम्पर ने मारी टक्कर, चार की मौत।

दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज पर एक दर्दनाक सड़क हादसे में जामिया हमदर्द विश्वविद्यालय के दो मेडिकल छात्रों की मौत। लखनऊ में दो अलग-अलग सड़क हादसों में वृद्धा समेत दो की मौत। इस तरह की खबरों से अखबार व चैनल पटे पड़े हैं। वाकई भारत की सड़कों पर चलना अब जान हथेली में रखकर चलने जैसा ही होता जा रहा है। ये कातिल सड़क हादसे गंभीर एवं चुनौतीपूर्ण है। सबसे दुर्भाग्यपूर्ण बात यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं में निर्दोष लोग ही मारे जाते हैं। देश की इन कातिल एवं खूनी सड़कों की हकीकत बताता केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्रालय का एक डराने वाला आंकड़ा पिछले दिनों सामने आया। मंत्रालय के अनुसार पिछले दस सालों में हुए सड़क हादसों में 15 लाख लोग मारे गए। कमोबेश सारे देश में ऐसी घटनाएं सुनने में आती हैं जिनमें रोज सैकड़ों लोगों की जीवन लीला समाप्त हो जाती है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देश में हर दस हजार किलोमीटर पर मरने वालों की दर 250 है जबकि अमेरिका, चीन और आस्ट्रेलिया में यह संख्या 57, 119 व 11 है। निश्चित रूप से भारत में सड़क दुर्घटनाओं में मरने वालों का यह आंकड़े एक संवेदनशील व्यक्ति को हिलाकर रख देता है। सड़क हादसों में सबसे ज्यादा मौतें भारत में होती है। परिवहन नियमों का सख्ती से पालन जरूरी है, केवल चालान काटना समस्या का समाधान नहीं है। देश में 30 प्रतिशत ड्राइविंग लाइसेंस फर्जी हैं। परिवहन क्षेत्र में भारी भ्रष्टाचार है लिहाजा बसों का ढंग से मेनटेनेंस भी नहीं होता। इनमें बैठने वालों की जिंदगी दांव पर लगी होती है। अब जरूरत है सड़कों को वैसा बनाया जाये जिससे मानवजीवन बच सके। दुर्घटनाओं को लेकर आम आदमी में संवेदनहीनता की काली छाया का पसरना त्रासद है और इससे भी बड़ी त्रासदी सरकार की आंखों पर काली पट्टी का बंधना है। हर स्थिति में मनुष्य जीवन ही दांव पर लग रहा है। इन बढ़ती दुर्घटनाओं की नृशंस चुनौतियों का क्या अंत है?

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

पास-पड़ोस से गायब हो रहीं किराना दुकानें

प्रेम प्रकाश

अमेरिका में नये राष्ट्रपति चुने जाने के बाद इस मुद्दे पर खूब सारी चर्चा हुई कि भारत के साथ उसके संबंध कैसे रहेंगे। दिलचस्प है कि विशेषज्ञों के बीच कूटनीतिक और रक्षा मसलों पर थोड़ी मत भिन्नता जरूर दिखी, पर आर्थिक मुद्दों पर ज्यादातर की राय एक जैसी थी। इसकी बड़ी वजह यह है कि भारत दुनिया के लिए आज भी बड़ा बाजार है। उपभोक्ताओं के मामले में हम काफी आगे हैं और कई भावी संभावनाओं से भी लैस हैं। यही नहीं, उपभोग की भारतीय परंपरा और प्रवृत्ति भी बाजार को भाती है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के मुताबिक भारत का सतत उपभोक्ता सामान बाजार वित्त वर्ष 2029-30 तक पांच लाख करोड़ रुपये का हो जाएगा और 2027 तक हम दुनिया का चौथा सबसे बड़ा बाजार होंगे। इससे देश के भीतर एक नई स्थिति भी पैदा हो रही है। क्विक कॉमर्स की शक्ल में घर तक उपभोक्ता वस्तुओं की खरीद ने भारत की पारंपरिक बाजार व्यवस्था को पूरी तरह बदलकर रख दिया है।

भारत की घरेलू बाजार व्यवस्था किस तेजी के साथ बदल रही है, वह इस बात से समझा जा सकता है कि बीते एक साल में कम से कम दो लाख किराना स्टोर या पड़ोस के छोटे रिटेल आउटलेट बंद हो चुके हैं। यह तथ्य इसी माह आल इंडिया कंज्यूमर प्रोडक्ट्स डिस्ट्रीब्यूटर्स फेडरेशन के अध्ययन में सामने आया है। इसके मुताबिक, भारतीय उपभोक्ता तेजी से ब्लिंकिट, ओटीपी और जेप्टो जैसे ऑनलाइन डिलीवरी प्लेटफार्मों की ओर रुख कर रहे हैं। यह अध्ययन देश के करीब 1.3 करोड़ ऐसे स्टोर के साथ किया गया है, जो किराना और पर्सनल केयर के सामान बेचते हैं। अध्ययन बताता है कि बंद होने वाले स्टोर्स में 45 प्रतिशत महानगरों के हैं। टियर 1 शहरों के 30 और टियर 2 व 3 शहरों के 25 प्रतिशत स्टोर्स बंद हुए हैं। क्विक कॉमर्स फर्म ग्राहक को लुभाने के लिए प्रीडेटरी प्राइसिंग या भारी छूट दे रही हैं और लागत से कम दाम पर बेच रही हैं। इसने एक अनफेयर प्लेइंग फील्ड बना दिया है, जिससे ग्राहक बेस और किराना स्टोरों की मुनाफे की क्षमता गिर रही है।

भारत में बाजार और समाज का एक साझा चरित्र भी है, जो हमारे रोजमर्रा की जिंदगी में साफ तौर पर उभरता है। कस्बे-मोहल्ले से लेकर पास-पड़ोस में खुले किराना दुकानों की सबसे बड़ी ताकत उनकी सामाजिक विश्वसनीयता और आत्मीय व्यवहार रहा है। लेकिन यह सब मुनाफे और बचत की नई बाजार व्यवस्था में औंधे मुंह गिर रही है। कायदे से नई

बन रही स्थिति ने हमारे घर-परिवार और समाज को नए तरह से गढ़ना शुरू कर दिया है। इस स्थिति का ज्यादा गहराई से अध्ययन किया जाना चाहिए कि बाजार के साथ जुड़े हमारे सामाजिक संबंध और सरोकार अगर कमजोर पड़ते हैं, तो इसका असर हमारे विचार और स्वभाव में क्या पड़ेगा। ऐसी ही कुछ चिंताओं को ध्यान में रखते हुए हिंदुस्तान यूनिलीवर, डाबर इंडिया और नेस्ले इंडिया सहित प्रमुख कंपनियों के चार लाख खुदरा वितरकों का प्रतिनिधित्व करने वाली देश की सबसे बड़ी संस्था एआईसीपीडीएफ ने इस संबंध में वित्त, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय से मांग की है कि वह इस बदलाव को गहनता से देखे-समझे और नियंत्रित करे। वैसे तो भारत के रिटेल बाजार के स्वरूप और प्रसार में परिवर्तन कोई नई बात नहीं है। बीते दो-ढाई दशकों में इस बारे में कई सारे तथ्य सामने आए हैं और नई बन रही स्थितियों के साथ भारतीय उपभोक्ता समाज लगातार अभ्यस्त भी होता जा रहा है। लेकिन बीते एक दशक में जो रुझान सामने आए हैं, वे चौंकाते हैं। वैसे भी ये बदलाव ऐसे समय में हुआ है जब भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) पहले से ही कथित स्ट्रेटेजिक प्राइसिंग और अन्य अनुचित प्रथाओं के लिए ऑनलाइन कॉमर्स प्लेयर्स की जांच कर रहा है। सीसीआई ने एक आंतरिक रिपोर्ट में पाया कि ई-कॉमर्स की प्रमुख कंपनियों अमेजॉन इंडिया और फ्लिपकार्ट ने अपने प्लेटफॉर्म पर चुनींदा विक्रेताओं को वरीयता देकर तय दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किया है। साफ है कि हमारे पास-पड़ोस में किराना दुकानों के कुछ बचे-खुचे साइनबोर्ड हैं, वे भी अगले कुछ समय में उतर जाएंगे। ऐसे में भारतीय उद्योग और व्यापार जगत की यह चिंता मायने रखती है कि क्विक कॉमर्स फर्मों की आर्थिक रचना की जांच की जाए। कथित प्रीडेटरी प्राइसिंग जैसी रणनीति से आगे बढ़ने वाली इन फर्मों के लिए दिशानिर्देश तो बनने ही चाहिए, इस बारे में कानूनी चुस्ती भी जरूरी है।

इस लिहाज से वित्त मंत्री का यह आश्वासन महत्वपूर्ण है कि सरकार क्विक कॉमर्स और ई-कॉमर्स प्लेयर्स की स्ट्रेटेजिक प्राइसिंग से नुकसान उठाने वाले कारोबारियों के हितों की रक्षा के लिए गंभीरता से विचार करेगी। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने भी ई-कॉमर्स क्षेत्र के बारे में इसी तरह की चिंता जताते हुए इन प्लेटफार्म्स को देश के भीतर निष्पक्ष रूप से संचालित करने की दरकार को माना है। बेहतर होगा कि सरकार की चिंता जल्द ही कारगर दिशानिर्देश और नीति के रूप में सामने आए ताकि स्थिति आगे और ज्यादा न बिगड़े।

क्रिकेट राजनीति की पिच पर पाक को फिर शिकस्त

हरीश मलिक

क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है, लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) राजनीति की पिच पर हार सुनिश्चित होने के बावजूद खेल खेलने में लगा है। पाकिस्तान के हुक्मरानों की शह पर वह जो चालें चल रहा है, उसमें खुद ही फंसकर रह गया है। अगले साल पाकिस्तान में होने वाली चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पीसीबी क्रिकेट में सियासत की बिसात बार-बार बिछाने में लगा है। यह अलग बात है कि इस चौसर पर वह खुद चारों खाने चित है। पहले दुनियाभर का ध्यान खींचने के लिए पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का टूर पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) के शहरों में कराने का ऐलान किया। इसके साथ ही वह इस जिद पर अड़ा था कि भारत को पाकिस्तान आकर ही इस ट्रॉफी में खेलना होगा। अब दोनों ही मोर्चों पर भारत, इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) और ब्रॉडकास्टर्स के तिहरे दबाव के बाद पाकिस्तान को मुंह की खानी पड़ी है।

भारत ने चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान जाकर खेलने से पहले ही साफ इनकार कर दिया है। सुरक्षा कारणों से पहले भी कई देश पाकिस्तान का दौरा रद्द कर चुके हैं। दरअसल, 2009 में श्रीलंकाई टीम पाकिस्तान के दौरे पर थी। सीरीज का पहला मैच 21 से 25 फरवरी तक कराची में खेला गया था, जो ड्रा रहा। दूसरा मैच लाहौर में 1 मार्च से 5 मार्च तक खेला जाना था, लेकिन इसी बीच 3 मार्च को श्रीलंकाई टीम पर आतंकी हमला हो गया। इसके बाद दुनियाभर की टीमों ने खेलने के लिए पाकिस्तान जाने से मना कर दिया था। सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए 2021 में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम पाकिस्तान दौरे पर आकर बगैर कोई मैच खेले, वापस लौट गई थी। इसके बाद इंग्लैंड ने पाकिस्तान दौरे पर अपनी महिला और पुरुष टीमों को भेजने का फैसला रद्द कर दिया। भारतीय क्रिकेट टीम तो पिछली बार 2008 में एमएस धोनी की अगुवाई में पाकिस्तान गई थी। इसी साल नवंबर में मुंबई पर आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तान में क्रिकेट खेलने से मना कर दिया था। तब से दोनों टीमें सिर्फ आईसीसी और अन्य इंटरनेशनल टूर्नामेंट्स में ही भिड़ती हैं।

अब काफी जद्दोजहद और 29 साल के बाद पाकिस्तान को किसी आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका मिला है। इसके बावजूद पाकिस्तान अपनी नापाक करतूतों से बाज नहीं आ रहा है। दरअसल, सुरक्षा कारणों के चलते बीसीसीआई ने आईसीसी से अपने मैच हाइब्रिड मॉडल के तहत किसी दूसरे देश में कराने का आग्रह किया था। लेकिन पीसीबी लगातार हाइब्रिड मॉडल अपनाने से मना करता रहा है। इस पर आईसीसी ने साफ कहा कि पाक की जिद के चलते चैंपियंस ट्राफी को ही रद्द किया जा सकता है। क्योंकि भारत के बगैर क्रिकेट के किसी वैश्विक टूर्नामेंट की कल्पना ही नहीं की जा सकती। भारत और आईसीसी के अलावा मैच के ब्रॉडकास्टर्स ने भी पाक पर दबाव बनाया है कि उसे इस बात को बिल्कुल इश्यू नहीं बनाना चाहिए कि भारतीय टीम पाकिस्तान नहीं आ रही है। टूर्नामेंट रद्द होने का सबसे ज्यादा आर्थिक नुकसान पाक को ही उठाना पड़ेगा।

दरअसल, ब्रॉडकास्टर्स का आईसीसी के साथ 2024 से 2027 तक के सभी टूर्नामेंटों के लिए 3 बिलियन डॉलर (करीब 2534 करोड़ रुपये) का करार है। यदि चैंपियंस ट्रॉफी स्थगित होती है तो ब्रॉडकास्टर्स को करोड़ों रुपये का नुकसान होगा। बता दें कि 2023 वनडे विश्व कप से ब्रॉडकास्टर्स को 3000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई हुई थी। ब्रॉडकास्टर्स ने आईसीसी पर दबाव बनाया कि टूर्नामेंट का आयोजन किसी भी हाल में होना चाहिए, फिर भारतीय टीम चाहे किसी और देश में खेले। आईसीसी ने पीसीबी के अधिकारियों को साफ तौर पर कहा कि उसे अड़ियल रवैये के बजाय इस टूर्नामेंट से होने वाले मुनाफे के बारे में सोचना चाहिए। गौरतलब है कि 2023 वनडे विश्व कप में बीसीसीआई को करीब 11,637 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी। इसी प्रकार 2022 टी-20 विश्व कप में 358 करोड़ रुपये से अधिक का फायदा क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया को हुआ था। अभी कुछ समय पहले तक पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटर भी सोशल मीडिया पर हाइब्रिड मॉडल नहीं अपनाने और टूर्नामेंट का बहिष्कार करने की मांग कर रहे थे, लेकिन अब आर्थिक नुकसान के आंकड़े देखते हुए उनके भी सुर बदलने लगे हैं। आखिरकार ना-नुकर कर रहे पाकिस्तान को घुटने टेकने ही पड़े हैं। अब इस बात पर करीब-करीब सहमति बन गई है कि भारत के मुकाबले हाइब्रिड मॉडल पर यूएई में होंगे। इसके अलावा सेमीफाइनल और फाइनल वहीं कराए जाएंगे, क्योंकि यदि भारत यहां तक का सफर तय कर लेता है तो फिर विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है।

हाइब्रिड मॉडल पर अड़ंगे के अलावा पाकिस्तान ने खेल में राजनीति करते हुए विवादित पीओके का मुद्दा गरमा दिया था। पीसीबी ने चैंपियंस ट्रॉफी का 24 नवंबर तक का टूर घोषित किया। पीसीबी ने एक पोस्ट में कहा, 'तैयार हो जाओ, पाकिस्तान। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी-2025 का टूर इस्लामाबाद से शुरू होगा, जिसमें स्कार्दू, मुरी, हुंजा और मुजफ्फराबाद जैसे दर्शनीय पर्यटन स्थलों का भी दौरा किया जाएगा।' पीसीबी ने जानबूझकर दुनिया का ध्यान खींचने के लिए पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के इन चारों शहरों को टूर में शामिल किया। भारत का कहना रहा है कि यह हमारे देश का हिस्सा हैं, जिस पर पाकिस्तान ने कब्जा जमाया हुआ है। ऐसे में विवादित क्षेत्र में जान-बूझकर चैंपियंस ट्रॉफी टूर ले जाने को कतई उचित नहीं ठहराया जा सकता था। इसलिए भारत ने इस पर सख्त आपत्ति दर्ज की। इसके साथ ही बीसीसीआई ने तत्काल आईसीसी को दखल देकर पीओके में टूर पर रोक लगाने की मांग की।

खूबसूरत त्वचा के लिए जरूरी है प्रोटीन

दुनिया का हर इंसान खूबसूरत दिखना चाहता है। इसके लिए लोग तमाम तरह की ब्यूटी प्रोडक्ट्स का धड़ल्ले से इस्तेमाल करते हैं। इसमें कोई शक नहीं है कि केमिकल्स से भरे ब्यूटी प्रोडक्ट्स आपको चंद पलों के लिए खूबसूरत और जवां तो बना देते हैं लेकिन लंबे समय तक इनका इस्तेमाल त्वचा के लिए खतरनाक साबित हो सकता है। वास्तव में ब्यूटी प्रोडक्ट्स त्वचा के ऊपर काम करते हैं लेकिन हकीकत यह है कि त्वचा को भीतर से जवां और खूबसूरत बनाना जरूरी है। यह काम कोलेजन करता है। कोलेजन एक प्रोटीन होता है। बॉडी का 30 फीसदी प्रोटीन कोलेजन बनाता है और कोलेजन आपकी स्किन, मसल्स, हड्डियों और कनेक्टिव टिश्यू को सपोर्ट, स्ट्रेंथ और स्ट्रक्चर प्रदान करता है। उम्र जैसे-जैसे बढ़ती जाती है आपकी बॉडी का कोलेजन टूटता रहता है और बॉडी की नया कोलेजन बनाने की टेंडेंसी भी धीरे-धीरे कम होती रहती है। इसलिए आपको अपनी डाइट का ध्यान रखना बहुत जरूरी है।

अश्वगंधा

आपको अपनी डाइट में अश्वगंधा को शामिल करना चाहिए। यह एक ऐसी आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, जिसके सेवन से बढती उम्र के लक्षणों को रोकने में मदद मिल सकती है। अश्वगंधा का सेवन करने से कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स के स्तर को कम करने में मदद मिल सकती है। जो लोग नींद न आने की समस्या से जूझ रहे उन लोगों को अश्वगंधा लेने की सलाह दी जाती है। अश्वगंधा के पत्तों में ट्राएथिलीन ग्लाइकोल नामक यौगिक होता है, जो गहरी नींद में सोने में मदद कर सकता है। अनिद्रा के शिकार लोगों के नींद की गुणवत्ता बेहतर करने के लिए अश्वगंधा का सेवन किया जा सकता है। शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बेहतर नहीं होगी, तो इसकी वजह से लोगों को बीमारियों से लड़ना मुश्किल हो जाता है।

देश घी

घी विटामिन ए, डी और ई से भरपूर होता है, जो स्वस्थ त्वचा के लिए आवश्यक है। विटामिन ए कोलेस्ट्रॉल के उत्पादन को बढ़ावा देने में मदद करता है, एक प्रोटीन जो त्वचा को स्वस्थ और सुंदर बनाता है। इसमें विटामिन होता है, जो उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करता है और समय से पहले बूढ़ा होने से रोकने में मदद करता है। चेहरे पर देसी घी लगाने से चेहरे की सूजन कम होती है। देसी घी को चेहरे पर इस्तेमाल करने के लिए रात को सोने से पहले देसी घी से चेहरे की मसाज करें। सुबह उठने के बाद चेहरे को कॉटन के कपड़े से साफ करें। उसके बाद चेहरे को नॉर्मल पानी से वॉश करें।

ब्राह्मी

ब्राह्मी ऐसा आयुर्वेदिक जड़ी बूटी है, जिसमें में एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-एजिंग गुण होते हैं जो सेल्स को बेहतर बनाते हैं और कोलेजन उत्पादन को बढ़ावा देते हैं। गर्भावस्था के बाद स्किन पिगमेंटेशन और स्ट्रेच मार्क को हल्का करने के लिए इसका उपयोग फार्मास्युटिकल और आयुर्वेदिक फॉर्मूलेशन में किया जाता है।

आंवला

आंवला विटामिन सी का सबसे बढ़िया नैचुरल सोर्स है। आंवला शरीर के कोलेजन लेवल को नैचुरली बेहतर बनाने में मदद करता है। यह उम्र बढ़ने के लक्षण पैदा करने वाले फ्री रेडिकल्स से बचाता है। यह त्वचा को ग्लो करने के साथ डैमेज स्किन को रिपेयर भी करता है। इसके अलावा डायबिटीज के मरीजों के लिए आंवला बहुत फायदेमंद होता है। मधुमेह के मरीज हल्दी के चूर्ण के साथ आंवले का सेवन करें। इससे मधुमेह रोगियों को फायदा होगा। बवासीर के मरीज सूखे आंवले को महीन या बारीक करके सुबह-शाम गाय के दूध के साथ हर रोज सेवन करें। इससे बवासीर में फायदा होगा। यदि नाक से खून निकल रहा है तो आंवले को बारीक पीसकर बकरी के दूध में मिलाकर सिर और मस्तिक पर लेप लगाइए। इससे नाक से खून निकलना बंद हो जाएगा।

तुलसी

तुलसी में अनेक गुण पाए जाते हैं लेकिन उर्सोलिक एसिड, रोसमारिनिक एसिड और यूजेनॉल इसके सबसे पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट हैं। इसमें फ्री रेडिकल्स से लड़ने की ताकत होती है। इसके सेवन से त्वचा में कोलेजन बढ़ता है। तुलसी के पत्ते हमारे शरीर में कॉर्टिसोल हॉर्मोन की मात्रा को नियमित कर सकते हैं, जो एक तरह का स्ट्रेस हार्मोन होता है। विशेषकर तुलसी की चाय का सेवन करने से तनाव कुछ हद तक कम हो सकता है। रोगों से लड़ने की क्षमता को बेहतर बनाने में भी तुलसी के पत्ते खाने के फायदे देखे गए हैं। ये इम्यून सिस्टम की कार्यप्रणाली को बेहतर करने में मदद कर सकते हैं।

हंसना मना है

संता- यार सिर में बहुत दर्द हो रहा है।
बंता- सिरदर्द होने पर कुछ देर गर्लफ्रेंड से जरूर बात करो। संता- क्यों? बंता- तुमने सुना नहीं है, जहर ही जहर को मारता है।

टीचर - तुम इतनी देर से स्कूल क्यों आए हो? बच्चा - मम्मी-पापा लड़ रहे थे। टीचर - वो लड़ रहे थे तो तुम क्यों देर से आए? बच्चा - मेरा एक जूता मम्मी के पास और दूसरा जूता पापा के पास था।

पहला कैदी - तुम्हें पुलिस ने क्यों पकड़ा? दूसरा कैदी - बैंक लूटने के बाद वहीं बैठकर पैसे गिनने लगा तो पुलिस ने पकड़ लिया। पहला कैदी - वहीं पर पैसे गिनने की क्या जरूरत थी? दूसरा कैदी - वहां पर लिखा था कि काउंटर छोड़ने से पहले पैसे गिन लें, बाद में बैंक जिम्मेदार नहीं होगा।

सुबह की चाय के साथ पत्नी बहुत सारी दवाईयां लेकर आई, पत्नी- ये लो चाय के साथ कॉल्पोल खालो। पति- नहीं मुझे बुखार नहीं है। पत्नी- तो डाइजीन ले लो। पति- नहीं मुझे गैस भी नहीं है। पत्नी- तो फिर पुदीनहरा ले लो। पति- नहीं मेरा पेट भी ठीक है। पत्नी- लो कॉम्बिफ्लेम ही ले लो, हाथ-पैर दुखना बंद हो जाएगा। पति- अरे कमाल करती हो, मुझे कुछ नहीं हुआ है, मैं एकदम ठीक हूं, तंदुरुस्त हूं। पत्नी- तो फटाफट उठो, सफाई के साथ बहुत काम करना है।

कहानी | मूर्ख बकरी

एक जंगल में दो बकरियां रहती थीं। वो दोनों जंगल के अलग हिस्सों में घास खाती थीं। उस जंगल में एक नदी भी बहती थी, जिसके बीच में एक बहुत ही कम चौड़ा पुल था। इस पुल से एक समय में केवल एक ही जानवर गुजर सकता था। इन दोनों बकरियों के साथ भी एक दिन कुछ ऐसा ही हुआ। एक दिन घास चरते-चरते दोनों बकरियां नदी तक आ पहुंची। ये दोनों नदी पार करके जंगल के दूसरे हिस्से में जाना चाहती थीं। अब एक ही समय पर दोनों बकरियां नदी के पुल पर थीं। पुल की चौड़ाई कम होने के कारण इस पुल से केवल एक ही बकरी एक बार में गुजर सकती थी, लेकिन दोनों में से कोई भी पीछे हटने को तैयार नहीं था। इस पर एक बकरी ने कहा कि सुनो, मुझे पहले जाने दो, तुम मेरे बाद पुल पार कर लेना।' वहीं, दूसरी बकरी ने जवाब दिया कि नहीं, पहले मुझे पुल पार करने दो, उसके बाद तुम पुल पार कर लेना।' यह बोलते-बोलते दोनों बकरियां पुल के बीच तक जा पहुंची। दोनों एक दूसरे की बात से सहमत नहीं थीं। अब बकरियों के बीच तू-तू मैं-मैं शुरू हो गई। पहली बकरी ने कहा, 'पहले पुल पर मैं आई थी, इसलिए पहले मैं पुल को पार करूंगी।' तब दूसरी बकरी ने भी तुरंत जवाब दिया, 'नहीं, पहले मैं पुल पर आई थी, इसलिए पहले मैं पुल पार करूंगी।' यह झगड़ा बढ़ता चलता जा रहा था। इन दोनों बकरियों को बिल्कुल भी याद नहीं रहा कि वह कितने कम चौड़े पुल पर खड़ी हैं। दोनों बकरियां लड़ते-लड़ते अचानक से नदी में गिर गईं। नदी बहुत गहरी थी और उसका बहाव भी तेज था, जिस कारण दोनों बकरियां उस नदी में बहकर मर गईं।

कहानी से सीख: झगड़े से कभी किसी समस्या का हल नहीं निकलता, उल्टा इससे सभी का नुकसान होता है। इसलिए ऐसी अवस्था में शांत दिमाग से काम लेना चाहिए।

7 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष
आय में निश्चितता रहेगी। नौकरी में कार्यभार बढ़ेगा। सहकर्मी साथ नहीं देंगे। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें।

तुला
किसी वरिष्ठ व्यक्ति का सहयोग मिलेगा। भाग्य अनुकूल है। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। धन प्राप्ति सुगम होगी। शत्रुओं का पराभव होगा। प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ
नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। शेयर मार्केट में जल्दबाजी न करें। व्यापार लाभदायक रहेगा। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी।

वृश्चिक
मनपसंद भोजन का आनंद मिलेगा। पार्टी व पिकनिक का आयोजन हो सकता है। नौकरी में कार्य की प्रशंसा होगी। जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा।

मिथुन
व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। ऐश्वर्य व आरामदायक साधनों पर व्यय होगा। जोखिम व जमानत के कार्य टालें।

धनु
लेन-देन में जल्दबाजी न करें, सावधानी रखें। दौड़धूप से स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है। आय बनी रहेगी। जोखिम न लें। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा।

कर्क
आत्मशांति रहेगी। यात्रा संभव है। व्यापार ठीक चलेगा। नौकरी में चैन रहेगा। दूसरों की जवाबदारी न लें। थकान रह सकती है। तीर्थदर्शन की योजना फलीभूत होगी।

मकर
सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। लेन-देन में सावधानी रखें। अपरिचितों पर अंधविश्वास न करें। कारोबार ठीक चलेगा।

सिंह
व्यापार ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। मित्रों के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। चोट व दुर्घटना से बड़ी हानि हो सकती है। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

कुम्भ
किसी बड़े काम को करने की योजना बनेगी। आत्मसम्मान बना रहेगा। व्यापार लाभदायक रहेगा। घर-परिवार में कोई मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है।

कन्या
पारिवारिक सदस्यों का सहयोग मिलेगा। प्रसन्नता में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों से अनबन हो सकती है। किसी व्यक्ति विशेष का सहयोग प्राप्त होगा।

मीन
कारोबार में वृद्धि होगी। विरोधी सक्रिय रहेंगे। धन प्राप्ति सुगम होगी। समय अनुकूल है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। जल्दबाजी न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

एक्टिंग से रिटायरमेंट नहीं लेंगे नाना पाटेकर

नाना पाटेकर को सिनेमा की दुनिया का सबसे शानदार अभिनेता माना जाता है। वे दशकों से फिल्म जगत में काम कर रहे हैं। अभी भी उनके अंदर काम करने का जोश बरकरार है। नाना पाटेकर अपनी फिल्म वनवास के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने वाले हैं। अपनी फिल्म के प्रमोशन के लिए वे कई जगहों पर जा रहे हैं। अनिल कपूर ने बातचीत में नाना पाटेकर से पूछा कि वे फिल्मों से रिटायरमेंट लेना चाहते हैं? इसके जवाब में नाना पाटेकर ने कहा, वे रिटायरमेंट की बात को नहीं मानते हैं। उन्होंने कहा, मैं कैसे रिटायर हो सकता हूं? अगल-बगल (हमारे आस-पास) में इतना कुछ हो रहा है, इतना प्रदूषण, इतनी घुटन। वहीं, एक्टिंग से उन्हें एक लक्ष्य और एक अलग तरह की शांति मिलती है। नाना पाटेकर ने कहा कि वे जिस तरह से अपना भविष्य देखते हैं, वो थोड़ा सा अलग है। उन्होंने कहा कि अगर उनके पास काम नहीं होगा तो वे कैसे जिएंगे। उन्होंने कहा कि शायद वे मर जाएं, शायद पागल हो जाएं या किसी को मार दें। वो नहीं जानते कि एक्टिंग छोड़ने पर क्या होगा। काम उनके जीवन का एक अविभाज्य हिस्सा बन गया है और उनकी मानसिक शांति के लिए महत्वपूर्ण है। मजाक में कहा कि रिटायर होना मुश्किल होगा क्योंकि उनके घर के लोग उन्हें बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। नाना पाटेकर को उनके अलग अंदाज और फिटनेस के लिए जाना जाता है।

अपने मन के मुताबिक काम करना चाहती हैं श्रद्धा कपूर

श्रद्धा कपूर की बड़ी फैन फॉलोइंग है। उनके चाहने वाले उन्हें स्क्रीन पर देखना पसंद करते हैं, लेकिन एक्ट्रेस हैं कि फिलहाल कोई फिल्म साइन नहीं करना चाह रही हैं। श्रद्धा ने बताया कि वो काम करने की किसी जल्दबाजी में नहीं है। वो अपने मन के मुताबिक काम करना चाहती हैं।

श्रद्धा की आखिरी रिलीज फिल्म स्त्री 2 थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के झंडे गाड़ दिए थे। वहीं पिछले कुछ सालों में उन्होंने कुछ ही फिल्मों में काम किया है और उनके अगले प्रोजेक्ट के बारे में फिलहाल तक तो कोई अपडेट नहीं आया है। इस बारे में बात करते हुए, श्रद्धा ने खुलासा किया कि उन्हें बैक-टू-बैक फिल्में साइन करने की कोई जल्दी नहीं है। एक्ट्रेस अपन इंट्यूशन पर भरोसा करती है, वो वही करती हैं जो दिल कहता है। श्रद्धा ने कहा- मैं वही करती हूं जो मैं करना चाहती हूं। मुझे लगातार फिल्में साइन करने की जल्दी नहीं है। अपने दिल की सुनना ही मुझे जमीन पर रहना सिखाता है। इसी के साथ उन्होंने अपने एक्टिंग करियर के शुरुआती दिनों को भी याद किया और बताया कि उनका सफर आसान नहीं रहा है, और एक्ट्रेस का मानना है कि असफलता सफलता की ओर एक कड़ा कदम है। उन्होंने ये भी याद किया कि कैसे फाइनल होने के बाद भी उन्हें फिल्मों से रिप्लेस कर दिया गया और इससे उनका कॉन्फिडेंस कैसे गिरा।

श्रद्धा बोलीं, असफलता सही में एक बहुत पावरफुल टीचर है और सफलता की ओर एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। मैंने अपने करियर की शुरुआत में अनगिनत ऑडिशन दिए। मुझे कुछ फिल्मों के लिए फाइनल भी किया गया और फिर मुझे रिप्लेस कर दिया गया। उस समय, ये बहुत निराशाजनक था। लेकिन उन अनुभवों ने मुझे वो बनाया जो मैं आज हूं। मैं अपने सफर के हर पहलू को संजो कर रखती हूं।

हॉरर कामेडी फिल्म 'नई नवेली' में अब नजर आयेंगी कृति सेनन

कृति सेनन ने हाल ही में दो पत्ती से बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू किया है। इस मूवी को दर्शकों और समीक्षकों की मिली-जुली प्रतिक्रियाएं मिली। अब अभिनेत्री अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सुर्खियों में आ गई हैं। रिपोर्ट की मानें तो कृति ने आनंद एल राय के जरिए निर्मित एक हॉरर कॉमेडी फिल्म साइन की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अस्थायी रूप से नई नवेली शीर्षक वाली यह फिल्म राय के बैनर कलर येलो प्रोडक्शंस के तहत बनाई जाएगी। यह फिल्म तेरे इश्क में पर काम करने के बाद कृति सेनन और आनंद एल राय के बीच एक और सहयोग का प्रतीक है। तेरे इश्क में का एक बड़ा हिस्सा पूरा होने के बाद नई नवेली का प्रोडक्शन 2025 के मध्य में शुरू होगा। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस नए प्रोजेक्ट के लिए अभिनेत्री के उत्साह का खुलासा करते हुए कहा, कृति सेनन आनंद एल राय के साथ कई सहयोगों पर चर्चा कर रही हैं और वह उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हैं।

हॉरर-कॉमेडी फिल्म की बढ़ती मांग

रिपोर्ट में आगे कहा गया है, हॉरर कॉमेडी इस सीजन का स्वाद है और नई नवेली को लोकप्रिय शैली में एक नया रूप लाने की उम्मीद है। हालांकि, फिल्म में कृति सेनन के किरदार के बारे में विवरण अभी भी गुप्त हैं। नई नवेली के निर्देशक का अभी तक खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन यह ज्ञात है कि यह अवधारणा राय के कार्यालय में विकसित की गई है।

आनंद एल राय का वर्कफ्रंट

हॉरर-कॉमेडी फिल्म नई नवेली बनाने के अलावा, आनंद एल राय बहुचर्चित तनु वेड्स मनु फ्रेंचाइजी के तीसरे भाग का निर्देशन करने की भी तैयारी कर रहे हैं। फिल्म में कंगना रणौत और आर माधवन मुख्य भूमिका में होंगे और यह अगले साल के अंत में रिलीज होगी। आने वाले महीनों में इन फिल्मों पर और अधिक और बड़ी जानकारी आने की उम्मीद है।

अजब-गजब | यहां 11 नंबर के दीवानगी की है अजीब कहानी

इस शहर की घड़ियों में कभी नहीं बजता 12

हम सभी समय देखने के लिए घड़ी का इस्तेमाल करते हैं। हमारी घड़ी में 1 से लेकर 12 तक अंक होते हैं या फिर कई बार 24 नंबर भी होते हैं। हालांकि दुनिया में एक ऐसा शहर भी है, जहां की घड़ियों में 12 अंक है ही नहीं। यहां कभी 12 बजते ही नहीं। क्या आपको उस शहर का नाम पता है? दुनिया भर में जितने भी शहर हैं, वहाँ किसी न किसी चौराहे, घंटाघर या गिरजाघर पर बड़ी सी घड़ी लगी ही रहती है। हालांकि आप शायद ही उस शहर का नाम जानते होंगे, जिसकी घड़ी में 12 बजता ही नहीं हैं। सुनकर हैरान हो गए ना? शहर का नाम सुनकर और भी ज्यादा भौचक्के रह जाएंगे आप।

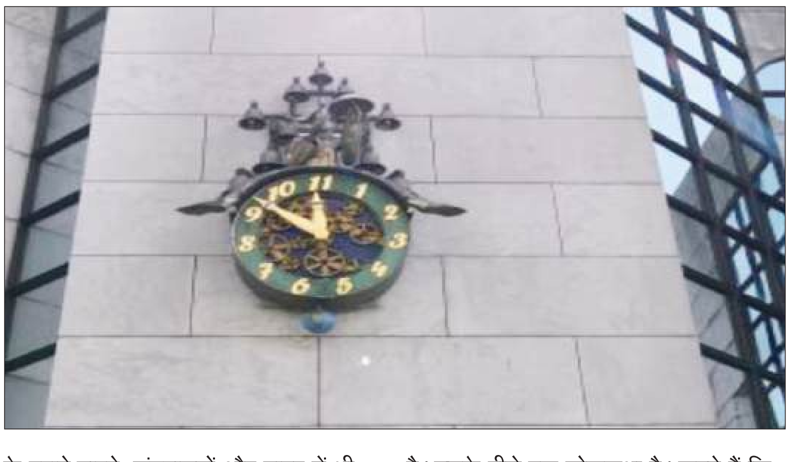

यह शहर दुनिया के सबसे खूबसूरत देश स्विट्जरलैंड में है। इसका नाम सोलोथर्न है। यहां के लोग 11 नंबर के पीछे इस कदर पागल हैं उन्होंने अपनी घड़ियों में 12 अंक रखा ही नहीं है। इस शहर की सारी घड़ियां ऐसी ही हैं, जिनमें सिर्फ 11 तक ही अंक हैं। यहां के चर्च और चैपल्स में भी लगाई गई घड़ियों में भी ग्यारह तक अंक ही हैं। इस शहर में टाउन स्क्वेयर पर एक घड़ी लगी है, जो शहर की पहचान भी दर्शाती है लेकिन उसमें भी 12 नहीं बजते। दरअसल, यहां के लोग 11 नंबर को काफी पसंद करते हैं। यहां के पुराने झरने, संग्रहालयों और टावर में भी 11 नंबर हैं। यहां तक कि सेंट उर्सुस के मुख्य चर्च में भी 11 नंबर का महत्व देखा जा सकता है। चर्च को बनाने में 11 साल लगे थे। इसके 11 दरवाजे और 11 ही खिड़कियां हैं। एक और खास बात, यहां बहुत सारे लोग अपना बर्थडे भी 11 तारीख को ही मनाते हैं। लोगों को दिए जाने वाले तोहफे भी 11 से ही जुड़े होते हैं। आखिर 11 अंक के पीछे इतनी दीवानगी क्यों? तो इसकी वजह ये है कि माना जाता है कि शहर के लोगों का 11 से लगाव अभी से नहीं, बल्कि सदियों से चला आ रहा है। इसके पीछे एक लोककथा है। कहते हैं कि सोलोथर्न के लोग बहुत मेहनत किया करते थे, लेकिन मेहनत के बाद भी वो अपने जीवन में नाखुश थे।

फिर इस शहर की पहाड़ियों से एक एल्फ आया। उसने लोगों का हौसला बढ़ाना शुरू किया। जिससे लोगों के जीवन में खुशियां आने लगीं। एल्फ के पास अलौकिक शक्तियां थीं। चूंकि जर्मन भाषा में एल्फ का अर्थ 11 होता है, इसलिए सोलोथर्न के लोगों ने हर काम को ग्यारह से जोड़ना शुरू कर दिया। यही वजह है कि घड़ियों में भी 11 तक की अंक हैं।

अजब प्रेम की गजब कहानी, पत्नी को मनाने के लिए साइकिल से चला गया 4400 किमी दूर

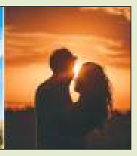

कहते है प्रेम में लोग इस कदर दिवाने हो जाते है कि वे अपने प्रेमी या प्रेमिका के लिए कुछ भी कर सकते है। चीन में एक शख्स ने ऐसा ही कुछ किया। अपने प्यार को फिर से पाने के लिए इस शख्स ने जो किया, वह सच में हैरान कर देने वाला है। दरअसल, इस शख्स की बीवी नाराज होकर दूर चली गई थी। इसके बाद शख्स अपनी पत्नी को मनाने के लिए साइकिल से 4400 किमी उसके पास चला गया। शख्स ने साइकिल से यह दूरी 100 दिनों में पूरी की। हालांकि उसके लिए यह यात्रा आसान नहीं थी। इस यात्रा के दौरान उसे कई परेशानियों का सामना करना पड़ा। जियांगसु प्रांत के लियानयुंगांग में 40 वर्षीय जोउ ने ली से 2007 में शादी की थी। लेकिन उनकी शादी ज्यादा समय तक नहीं चल पाई और 2013 में दोनों का तलाक हो गया। उनकी शादी में कई उतार-चढ़ाव आए और दोनों के बीच अलगाव और रीयूनियन की घटनाएं लगातार होती रही थीं। 2013 में तलाक के बाद दोनों के रिश्ते में सुधार आया और उन्होंने फिर से शादी कर ली। उनके दो बच्चे हैं, एक बेटा और एक बेटी है। जोउ ने यांग्त्से ईवेनिंग पोस्ट से कहा,हमारे बीच कोई गंभीर समस्या नहीं थी। बस हम दोनों बहुत जिद्दी थे और जल्दबाजी में निर्णय लेते थे, जिससे कई बार ब्रेकअप हुआ और फिर मिले। दोनों के रिश्ते में एक बार फिर तनाव आया और इस बार ली उससे रुठकर दूर चली गई। इस बारे में जोउ की पत्नी ली ने कहा, उन्होंने मुझसे फिर से एक होने की इच्छा जताई और मैंने मजाक में कह दिया कि मैं ल्हासा जा रही हूं। अगर वह वहां साइकिल चला कर पहुंचे तो मैं फिर से सोच सकती हूं। ली ने यह बात मजाक में कही थी, लेकिन जोउ ने इसे गंभीरता से लिया और अपनी यात्रा शुरू कर दी। इसके बाद जोउ ने अपनी पत्नी को मनाने और उससे मिलने के लिए साइकिल से सफर शुरू किया। जोउ की यह यात्रा कई चुनौतियों से भरी हुई थी। इस 4,400 किलोमीटर की यात्रा के दौरान उन्हें दो गंभीर घटनाओं का सामना करना पड़ा। पहली घटना हुई अन्हुई प्रांत में, जहां उन्हें हीटस्ट्रोक हो गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती होना पड़ा। दूसरी घटना हुबेई प्रांत के यिचांग में हुई, जहां हीटस्ट्रोक और पानी की कमी के कारण वह सड़क पर बेहोश हो गए। हालांकि इस गंभीर स्थिति में जोउ की पत्नी ली ने सैकड़ों किलोमीटर का सफर तय किया और देखभाल देने के लिए उसके पास आ गई। जोउ की सच्चाई और प्रेम देख, ली का दिल पिघल गया और उसने उनके साथ ल्हासा जाने का फैसला किया। इस दौरान ली को निंगची में ऊंचाई की बीमारी का सामना करना पड़ा, जो ल्हासा से 400 किलोमीटर दूर था, लेकिन दोनों ने मिलकर अपनी यात्रा पूरी की और 28 अक्टूबर को ल्हासा पहुंच गए।

उपराज्यपाल ने की दिल्ली की मुख्यमंत्री की तारीफ, बोले-

केजरीवाल से हजार गुना बेहतर हैं आतिशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी अपने पूर्ववर्ती अरविंद केजरीवाल से हजार गुना बेहतर हैं। एलजी व आप सरकार के बीच टकराव को देखते हुए एलजी की ओर से आतिशी की प्रशंसा पर सियासी हलकों में हैरानी है। इंदिरा गांधी महिला तकनीकी विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में सक्सेना ने कहा, मुझे खुशी है कि दिल्ली की सीएम महिला हैं। देश की प्रगति में महिला इंजीनियरों की महत्वपूर्ण भूमिका है। उपराज्यपाल ने इंदिरा गांधी दिल्ली तकनीकी महिला विश्वविद्यालय के सातवें दीक्षांत समारोह में यह बात कही। इस दौरान 735 स्नातक, 170 स्नातकोत्तर और 16 डॉक्टरेट की उपाधियों से छात्रों को सम्मानित किया गया। इसमें विभिन्न विषयों में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले छात्रों को 2 कुलाधिपति स्वर्ण पदक और 12 कुलपति स्वर्ण पदक प्रदान किए गए। इसके अलावा, 14 अनुकरणीय प्रदर्शन रजत पट्टिकाएं छात्रों को प्रदान की गईं। स्नातक की डिग्री में कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस और इंजीनियरिंग (एआई), एआई और मशीन लर्निंग, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार इंजीनियरिंग समेत कई विषयों में डिग्री दीं। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री आतिशी शामिल रहीं। मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि तकनीकी प्रगति के इस युग में विविध क्षेत्रों में योग्य पेशेवर देने में विवि की अहम भूमिका है। यह वर्षों की कड़ी मेहनत, समर्पण और विकास का समापन है। उपराज्यपाल ने छात्राओं से कहा, जैसे-जैसे आप आगे बढ़ते हैं, आपके सामने चार मार्गदर्शक बातें होती हैं। पहला है स्वयं के प्रति आपकी जिम्मेदारी, दूसरा है अपने माता-पिता और परिवार के प्रति आपकी जिम्मेदारी, जबकि तीसरा है समाज और राष्ट्र निर्माण के प्रति जिम्मेदारी। उन्होंने कहा, चौथी जिम्मेदारी यह है कि आप स्वयं को एक ऐसी महिला के रूप में साबित करें, जिसने लिंग भेदभाव की दीवार को तोड़ा और सभी क्षेत्रों में दूसरों के बराबर खड़ी हुई।

दिल्ली की यूनिवर्सिटीज में छात्रों की संख्या दोगुनी हुई : आतिशी

मुख्यमंत्री आतिशी ने कहा कि पिछले 10 सालों में दिल्ली में सरकारी स्कूलों के साथ यूनिवर्सिटीज में भी शिक्षा में बदलाव आया है। 10 सालों में दिल्ली सरकार के यूनिवर्सिटीज में छात्रों की संख्या दोगुनी हुई है। उन्होंने कहा कि 10 सालों में 4 नई यूनिवर्सिटी की भी शुरुआत की है। साथ ही, अपने यूनिवर्सिटीज के कैंपस का भी विस्तार किया। उन्होंने कहा कि अब दिल्ली सरकार की सभी यूनिवर्सिटी में भी स्टूडेंट्स को उद्यमी बनने का मौका मिलेगा। इसके लिए बिजनेस ब्लास्टर्स प्रोग्राम की शुरुआत होगी।

केजरीवाल ने लॉन्च किया रेवड़ी पर चर्चा कैंपेन

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी युद्ध स्तर पर काम कर रही है। चुनाव से पहले आम आदमी पार्टी ने नया अभियान शुरू किया है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने आज चुनावी अभियान का आगाज किया। केजरीवाल ने रेवड़ी पर चर्चा कैंपेन को लॉन्च किया। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज से हम 'रेवड़ी पर चर्चा' अभियान का आगाज कर रहे हैं। इस अभियान के तहत दिल्ली में 65,000 बैठकें की जायेंगी। इन बैठकों में हमारे पदाधिकारी जनता के बीच में जाएंगे और उनको बताएंगे कि आम आदमी पार्टी की सरकार जनता को उनके ही पैसे से मुफ्त की 6 रेवड़ियां दे रही है और अगर भाजपा यहां आ गई तो यह बंद हो जाएंगे। केजरीवाल ने कहा कि आप सच्चाई के रास्ते पर चल रही है। लड़ाई बहुत मुश्किल है। पिछले दो साल के अंदर आप ने जो झेला है ऐसा किसी पार्टी के ऊपर इतना जबरदस्त वार नहीं हुआ होगा। भाजपा वाले ये नहीं देंगे। मैं जो बोलता हूं वो करता हूं। यह अभियान 25 नवंबर से शुरू होगा और 10 दिसंबर तक चलेगा।

जनता को सुविधा देने से कतराती है भाजपा : संजय

आप नेता संजय सिंह ने कहा कि केजरीवाल सरकार ने दिल्ली के लोगों को मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी की सुविधा दी लेकिन भाजपा ने इसका विरोध किया। हमने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा की सुविधा दी, मोहल्ला क्लीनिक शुरू किया। भाजपा ने इसका भी विरोध किए। भाजपा दिल्ली के लोगों के कल्याण के लिए शुरू की जा रही सभी योजनाओं के खिलाफ है। इसलिए, अब हम लोगों के बीच जाएंगे और उन्हें भरोसा दिलाएंगे कि केजरीवाल की रेवड़ी चलती रहेगी और कोई भी बीजेपी वाला चाहे जितना रोकने की कोशिश करे, वो सफल नहीं होगा।

सुप्रीम कोर्ट से सुक्खू सरकार को बड़ी राहत

» बरकरार रहेगी सीपीसी पद से हटाए गये छह विधायकों की सदस्यता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली/शिमला। हिमाचल हाईकोर्ट की ओर से हटाए गए छह मुख्य संसदीय सचिवों की विधानसभा की सदस्यता नहीं जाएगी। कांग्रेस के ये नेता विधायक बने रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट ने हिमाचल की कांग्रेस सरकार को बड़ी राहत दी है। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की पीठ ने सीपीएस नियुक्त किए विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्यवाही शुरू करने के हाईकोर्ट के निर्देश पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है।

हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ प्रदेश सरकार की ओर से दायर याचिका पर शीर्ष अदालत ने सुनवाई करते हुए कहा कि इस बीच विधायकों को सीपीएस नियुक्त नहीं किया जाना चाहिए। पीठ ने कहा कि अगर ऐसी नियुक्तियां की गईं तो उन्हें अवैध माना जाएगा। अदालत ने प्रतिवादियों को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए दो सप्ताह का समय दिया है। इसके बाद दो हफ्ते के भी सरकार अपना जवाब दायर करेगी। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने कहा है कि अब सीपीएस से जुड़ी अलग-अलग राज्यों की याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी।

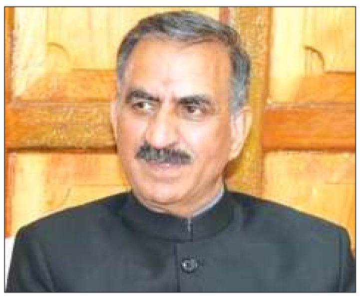

प्राइवेट लोगों का काम कर रहे बीजेपी प्रवक्ता

» पूर्व सीएम भूपेश बघेल बोले- आरोपों की जांच होनी चाहिए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। अडानी ग्रुप पर अमेरिका में हुए केस और छत्तीसगढ़ को लेकर छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा केंद्र सरकार को अडानी का प्रवक्ता बताते हुए कहा कि बीजेपी नेता अडानी के प्रवक्ता की तरह काम कर रहे हैं। पूर्व सीएम ने आरोप लगाया कि अडानी को पिछले दिनों यूएसए कोर्ट से नोटिस मिला, तो केंद्र में बैठे मंत्री और बीजेपी प्रवक्ता ने उसका जवाब दिया।

अडानी पर जो आरोप लगा वह सही है। पीएम मोदी और अडानी एक है। जैसे ही अडानी पर कोई बात आती है तो केंद्र और बीजेपी प्रवक्ता सक्रिय हो जाते हैं। धान खरीदी में किसानों की परेशानी पर बघेल ने कहा कि किसानों को टोकन नहीं मिल रहा है। छोटे-छोटे किसान बोल रहे है कि एक मिनट सर्वर खुलता है कुछ किसान ही रजिस्ट्रेशन करा पाते हैं फिर सर्वर बंद हो जाता है। अगर टोकन मिल गया तो फिर सर्वर डाउन हो जाता है। किसानों को घंटो खड़ा होना पड़ता है और बारदाने की कमी भी है।

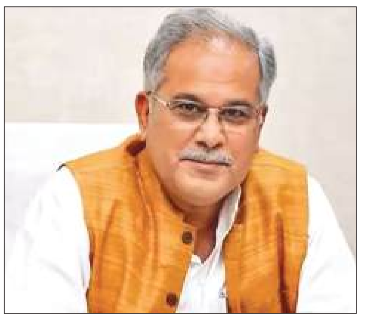

सीएम विष्णुदेव साय की प्रशासन पर कोई पकड़ नहीं

बघेल ने कहा कि रबी फसल लेने से मना कर रहे और विष्णुदेव साय अपने टवीटर में कहते हैं कि किसानों का रबी फसल लेने में कोई रोक नहीं है दूसरी तरह उनके आदेश का अवहेलना हो रहा है। साय सरकार की प्रशासन में कोई पकड़ नहीं है और उनकी बात कोई नहीं सुनता है बोलते कुछ हैं और होता कुछ है। विभिन्न जगहों के कलेक्टर ने आदेश कर दिया कि रबी फसल का धान नहीं ले सकते। अगर धान लेंगे तो 50 हजार का फाइन लगेगा। यह सरकार किसान विरोधी सरकार है। पिछले साल 45 प्रतिशत चावल अभी तक जमा नहीं हो पाया है यह सरकार की नाकामी है। उसका खामियाजा गरीब किसान को उठाना पड़ेगा, क्योकि एंग्रीमेंट नहीं कर रहे तो धान उठाव नहीं होगा। धान खरीदी चालू हुये 1 हफ्ता हो गया कही भी परिवहन का साधन नहीं लगा है कि धान का उठाव करे।

भाजपा हम दो हमारे दो की नीति पर चल रही : जीतू

पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा कि बीजेपी के नेता हमेशा अडाणी का बचाव करते रहे हैं। भाजपा सरकार हम दो हमारे दो वाली नीति पर चल रही है। जिनके खिलाफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केस दर्ज हुए हैं वह सब नरेंद्र मोदी के दोस्त हैं। पटवारी ने कहा कि 2234 करोड़ की रिश्वत ऊर्जा विभाग के अफसरों को दी गई है। बहुत हुआ भ्रष्टाचार अबकी बार मोदी सरकार का नारा अब खूब करो भ्रष्टाचार चल रही मोदी सरकार में बदल गया है। अडाणी ने मीडिया से लेकर सरकारी संस्थानों पर अलग-अलग तरीके से कब्जा जमाया है। प्रदेश प्रभारी जितेंद्र भंवर सिंह ने कहा कि कुछ लोगों को देश का सारा धन दिया जा रहा है। यह बात अब साबित होने लगी।

भारत ने कंगारूओं को 104 रन पर किया ढेर

» भारत ने चाय तक ऑस्ट्रेलिया पर बनाई 130 रन की बढ़त

जसप्रीत बुमराह ने लिये पांच विकेट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पर्थ। पर्थ में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज की शुरुआत हो चुकी है। यह सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण है और यह साफ हो जाएगा कि कौन सी टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचेगी। भारत को कम से कम चार टेस्ट जीतने की जरूरत है। वह एक भी मैच न हारें। भारत ने दूसरे दिन चायकाल तक अपनी दूसरी पारी में बिना विकेट गंवाए 84 रन बना लिए हैं।

फिलहाल यशस्वी जायसवाल 42 रन और केएल राहुल 34 रन बनाकर बल्लेबाजी कर रहे हैं। भारत की ऑस्ट्रेलिया पर अब तक 130 रन की बढ़त हो चुकी है। टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी में 150 रन बनाए थे, वहीं ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर खत्म हुई थी। भारत ने 46 रन की बढ़त हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 104 रन पर सिमट गई। दूसरे दिन कंगारूओं ने सात विकेट पर 67 रन से आगे खेलना शुरू किया और 37 रन बनाने में बाकी तीन विकेट गंवाए। ऑस्ट्रेलिया को आज का पहला झटका एलेक्स कैरी के रूप में लगा। उन्हें बुमराह ने विकेटकीपर पंत के हाथों कैच कराया। कैरी 21 रन बना सके। इसके साथ ही भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह ने पांच विकेट अपने नाम कर लिए।

पंत ने तोड़ा एलन नॉट का महारिकॉर्ड

ऋषभ पंत ने एक बार फिर अपने विस्फोटक प्रदर्शन से भारत की साख बचाई। उन्होंने 37 रनों की महत्वपूर्ण पारी खेली और टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। इसी के साथ उन्होंने बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले मेहमान विकेटकीपर बल्लेबाज बन गए। इस मामले में उन्होंने इंग्लैंड के एलन नॉट को पीछे छोड़ दिया। पंत के नाम अब 13 पारियों में 661 रन दर्ज हो गए हैं। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर नॉट हैं, जिन्होंने 22 पारियों में 643 रन बनाए। तीसरे पायदान पर जेफ डुजोन हैं। उनके नाम 18 पारियों में 587 रन दर्ज हैं।

कानपुर नहीं बन पाया रामपुर

सीसामऊ में भाजपा को लगा झटका, इरफान सोलंकी को जेल में डालने के बाद भी हारी बीजेपी

» इरफान की पत्नी नसीमा सोलंकी की शानदार जीत

» पहले राउंड से बनाई बढ़त जो अंतिम राउंड तक जारी रही

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कानपुर की सीसामऊ विधानसभा के उपचुनाव में पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की पत्नी नसीमा सोलंकी ने शानदार जीत दर्ज की है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सुरेश अवस्थी को शिकस्त दी। इरफान सोलंकी लंबे समय से जेल में है और यहां उनकी सदस्यता रदद होने के बाद चुनाव करवाया गया था। कानपुर में मतदान के दिन जबर्दस्त तनाव देखने को मिला था। जगह–जगह पुलिस की बैरेकेटिंग थी और सीसामऊ से लगातार वोट न डालने की शिकायते चुनाव आयोग को मिल रही थी। निर्वाचन आयोग ने 2 पुलिसकर्मियों को भी सस्पेंड किया है। जीत के बाद नसीमा सोलंकी ने कहा कि जिस तरह से सीसामऊ की जनता विधायक जी को वोट देती आज मुझे दिया।

अखिलेश यादव ने कहा है कि बीजेपी ने लोकतंत्र का गला घोट दिया है लोगों को उनके मताधिकार से वंचित कर बीजेपी ने अच्छा नहीं किया। उपचुनाव में जिन सीटों पर भाजपा की जीत हुई है उस पर सपाहो या फिर कांग्रेस सभी दल इसे प्रशासन की जीत बता रहे हैं। राजनीतिक दलों का कहना है कि जब लोगों को वोट ही नहीं देने दिया गया तो फिर चुनाव किस बात का।

सपा को नुकसान

सपा उप–चुनाव में जीत हासिल कर एक नैरेटिव सेट करना चहती थी जोकि नहीं हो पाया। नौ सीटों पर हो रहे चुनाव में चार सीटें सपा की थी। जिसमें से सिर्फ दो ही सीट वापस आ पायी बाकी की दो सीटें बीजेपी ने छीन ली। कानपुर एक लाख से ज्यादा वोटों की गिनती होने के बाद और 15 राउंड कम्पलीट होने के बाद 22 वोटों से नसीमा सोलंकी आगे चल रही थीं अब सिर्फ पांच राउंड वोटों की गिनती होनी बाकी है।

प्रतिष्ठा थी दांव पर

राजनीतिक पंडितों का यहीं मानना है कि इस उप–चुनाव में सीएम योगी की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। तभी चुनाव से ऐन पहले मतदान की तारीखों में फेरबदल हुआ और यूपी में चुनाव 10 दिन आगे खिसकाये गये। विपक्ष इसे चुनावी साजिश के तौर पर देख रहा है उसका कहना है कि इन्हीं 10 दिनों में खेला किया गया। अधिकारियों पर दबाव बनाकर पानी की तरह पैसा बहाया गया।

खत्म होता वोट शेयर ?

कुछ सीटों पर बीएसपी ने मुस्लिम और सवर्ण प्रत्याशी उतारे, जिससे अन्य दलों के वोट बैंक में सेंध लगने की संभावना बनी। मीरापुर और कुंदरकी जैसी सीटों पर मुस्लिम वोटों के विभाजन से सपा को नुकसान हुआ, जबकि कटेहरी सीट पर बीएसपी ने बीजेपी को चुनौती दी पिछले प्रदर्शन की तुलना में 2010 के बाद यह पहला मौका था जब बीएसपी ने इतने सक्रिय रूप से उपचुनावों में भाग लिया। बीएसपी के लिए यह चुनाव अपनी खोई जमीन वापस पाने का एक प्रयास था। पार्टी का वोट शेयर धीरे-धीरे कम हो रहा है, और उपचुनाव में भी इस पर प्रभाव दिखा।?

प्रभाव तक नहीं छोड़ पाये बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी

बसपा सुप्रीमो मायावती का सूर्य अस्त हो रहा है और दलित लीडरशिप के तौर पर उभरे चन्द्रशेखर रावण का सूर्य चमक रहा है। यूपी उप–चुनाव के नतीजे तो इसी ओर इशारा कर रहे हैं। उप–चुनाव से दूर रहने वाली मायावती ने इस बार उप–चुनाव की चुनौती को स्वीकार किया और मुस्तैदी से लड़ीं। सभी जगह अपने प्रत्याशी उतारे लेकिन सभा करने कहीं नहीं गयी। उनकी उम्मीद के मुताबिक कटेहरी में हाथी ने दम तोड़ दिया। लोकसभा के बाद इन उप–चुनाव में भी मायावती के नतीजे सिफर रहे।

चन्द्रशेखर का दिखायी दे रहा जादू

एक बार फिर इस बात की चर्चा जोरों पर हो रही है कि बसपा सपा से गठबंधन कर सकती है। हालांकि यह अभी दूर की कौड़ी है और सियासी दिग्गजों की दिमागी उपज। क्योंकि शनैः शनैः युवा दलित मतदाताओं के मन पर आजाद समाज पार्टी के मुखिया चन्द्रशेखर रावण का जादू चलता दिखायी दे रहा है। क्योंकि कुदंरकी में जहां बीएसपी को 500 वोट भी नहीं मिले वहीं आजाद समाज पार्टी के प्रत्याशी को 2 हजार से ज्यादा वोट मिले।

दलित राजनीतिक की करीब से समझ रखने वाले बीडी नकवी कहते हैं कि मायावती के साथ 40 वर्ष आयु वर्ग से ऊपर के दलित मतदाता भरोसा करते हैं। जबकि चन्द्रशेखर रावण ने युवा दलित मतदाताओं के मन में अपनी जगह बना ली है।

एनपीपी के विधायक मुख्यमंत्री की बैठक में न जाएं : एन कायसी

» पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष बोले- मुख्यमंत्री के रूप में एन बीरेन सिंह को हटाए भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मणिपुर। नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) के तीन विधायकों ने सोमवार को एनडीए की बैठक में भाग लिया, एनपीपी ने अपने सदस्यों से भविष्य में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह द्वारा बुलाई गई किसी भी बैठक में शामिल नहीं होने के लिए कहा है। एनपीपी और भाजपा की सहयोगी पार्टी ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री के रूप में एन बीरेन की जगह लेने के बाद वह मणिपुर सरकार को समर्थन देना शुरू कर देगी। एनपीपी के प्रदेश अध्यक्ष एन कायसी द्वारा हस्ताक्षरित एक सलाह में इस बात पर जोर दिया गया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने 17 नवंबर को आधिकारिक तौर पर सिंह सरकार से समर्थन वापस ले लिया था।

कायसी ने कहा कि परिणामस्वरूप, सभी एनपीपी सदस्यों को इस निर्णय का अनुपालन करना आवश्यक है। सोमवार को एनडीए की बैठक में 11 विधायक शामिल नहीं हुए. बैठक में शामिल नहीं होने पर उन्हें नोटिस दिया गया। 11 में से कम से कम 9 विधायक बीजेपी के थे, एक नेशनल पीपुल्स पार्टी का और एक निर्दलीय. करीब सात विधायकों ने छुट्टी ले ली, जिनमें से तीन बीजेपी विधायक थे। आधिकारिक तौर पर दावा किया गया कि बैठक में करीब 26 विधायक शामिल हुए। उभरती कानून व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री ने बैठक बुलाई थी। पिछले साल मणिपुर विधानसभा में दो विधायकों वाले कुकी पीपुल्स एलायंस (केपीए) ने भाजपा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया था। 60 सीटों वाले सदन में बीजेपी के 37 विधायक हैं, जबकि जेडीयू का एक विधायक है, जबकि तीन निर्दलीय विधायक सरकार का समर्थन कर रहे हैं। नागा पीपुल्स फ्रंट (एनपीएफ) के पांच विधायक सरकार का समर्थन कर रहे हैं। कांग्रेस के पास पांच विधायक हैं।

दीदी ने उपचुनाव में दिखाया दम
टीएमसी ने बनायी अजेय बढ़त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में छह विधानसभा क्षेत्रों के उपचुनाव के लिए शनिवार सुबह आठ बजे से जारी मतगणना में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवारों ने अजेय बढ़त बना ली है। ये परिणाम विशेष रूप से आर.जी. कर मेडिकल कॉलेज की घटना के संबंध में जारी विरोध प्रदर्शनों के मद्देनजर अहम हैं। इस घटना के विरोध में राज्य में व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन हुए थे।

पश्चिम बंगाल में सिताई (अनुसूचित जाति), मदारीहाट (अनुसूचित जनजाति), नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर और तालडांगरा विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को उपचुनाव हुआ था। इन सीट से चुने गए विधायकों के लोकसभा चुनाव में जीत हासिल करने के कारण इन विधानसभा सीट के लिए उपचुनाव कराया गया। उपचुनाव को राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के लिए एक अहम राजनीतिक परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। बंगाल की नैहाटी, हरोआ, मेदिनीपुर, तलडांगरा, सीताई (अनुसूचित जाति) और मदारीहाट (अनुसूचित जनजाति) सीट पर उपचुनाव हुआ था। इन छह सीट पर उपचुनाव के लिए 13 नवंबर को मतदान हुआ था और मतदान प्रतिशत 69.29 रहा था। इनमें से पांच निर्वाचन क्षेत्र दक्षिण बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के गढ़ में हैं, जबकि मदारीहाट राज्य के उत्तरी हिस्से में भाजपा का गढ़ बना हुआ है। माकपा नीत वाम मोर्चा और कांग्रेस ने 2021 के बाद पहली बार अलग-अलग उपचुनाव लड़ा।अनुसूचित जाति (एससी) निर्वाचन क्षेत्र सिताई में तृणमूल की संगीता रॉय अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी एवं भाजपा उम्मीदवार दीपक कुमार रे से 60,493 मतों के अंतर से आगे हैं। रॉय को अब तक 73,452 मत और रे को 12,959 वोट मिले हैं।अनुसूचित जनजाति (एसटी) सीट मदारीहाट में 39,353 वोट के साथ तृणमूल के जयप्रकाश टोप्पो आगे हैं, जबकि भाजपा के राहुल लोहार को 21,375 वोट मिले हैं। वर्ष 2021 के विधानसभा चुनाव में यह सीट भाजपा ने जीती थी।नैहाटी में तृणमूल के सनत डे 40,663 वोट हासिल कर सबसे आगे हैं जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी और भाजपा उम्मीदवार रूपक मित्रा को 15,461 मत मिले हैं।हरोआ में तृणमूल के एस के रबीउल इस्लाम ने 48,107 वोट प्राप्त किए हैं, जबकि उनके प्रतिद्वंद्वी ऑल इंडिया सेक्युलर फ्रंट के पियारुल इस्लाम 6,441 मतों के साथ पीछे हैं।मेदिनीपुर में तृणमूल के सुजॉय हाजरा 32,777 मतों के साथ आगे हैं। वह भाजपा के सुभाजीत रॉय (बंटी) से 11,398 वोटों के अंतर से आगे हैं। रॉय को 21,379 वोट मिले हैं।तालडांगरा में तृणमूल की फल्गुनी सिंघाबाबू 17,280 मतों के साथ आगे हैं। उन्होंने भाजपा की अनन्या रॉय चक्रवर्ती पर 6,324 मतों की बढ़त बना ली है। अनन्या को 10,956 वोट मिले हैं।

अखिलेश यादव की पीडीए फर्जी है : केशव

» बोले- समाजवादी पार्टी बनने जा रही है समाप्तवादी पार्टी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनाव पर यूपी के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा ने कहा कि अखिलेश यादव की पीडीए फर्जी है। यह परिवार विकास एजेंसी है। उनकी असलियत लोगों के सामने आ गई है। लोकसभा में उन्होंने जो झूठ और छल का प्रचार किया, वह अब काम नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी समाप्तवादी पार्टी बनने जा रही है। 2024 का यह विधानसभा उपचुनाव सपा जैसी पार्टी के अंत का संकेत है। उपचुनाव वाले नौ विधानसभा क्षेत्रों में कुल 90 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 11 महिला प्रत्याशी हैं।

पहला चुनाव जहां लोकतंत्र बनाम तानाशाही देखी गई : अवधेश

आयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद ने उत्तर प्रदेश उपचुनाव, झारखंड चुनाव 2024 और महाराष्ट्र चुनाव 2024 की मतगणना पर कहा कि आजादी के बाद यह पहला चुनाव है जहां हमने लोकतंत्र बनाम तानाशाही देखी। आगे कहा कि लोकतंत्र की सभी मर्यादाओं को खत्म करके भाजपा ने पूरे चुनाव की कमान पुलिस और सरकारी अधिकारियों पर डाल दी थी। हमें जानकारी मिली है कि उन्हें धमकी दी गई थी कि अगर वे (भाजपा) सीट नहीं जीत पाए तो निलंबन होगा।

पेड़ से टकराई स्कॉर्पियो, दो बच्चों समेत चार की मौत, तीन घायल

» मेला देखकर लौटते समय हुआ हादसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बिजनौर। बिजनौर जनपद के नहटौर में तेज रफ्तार स्कॉर्पियो अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई। घटना में एक ही परिवार के दो बच्चो व दो महिलाओं की मौत हो गई जबकि तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

शुक्रवार रात थाना क्षेत्र के गांव नसीरपुर निवासी सुल्तान (35) पुत्र असरफ अली अपनी पत्नी गुलअफ्सा (28), पुत्री अनादिया (8 दिन), अलिशा (6), पुत्र शाद (5), बहन चांद बानो (35) और भांजी अदिबा (14) के साथ नजीबाबाद थाना क्षेत्र में मेला देखने गया था। रात करीब 11 बजे वे घर लौट रहे थे। इसी दौरान परिवार हादसे का शिकार हो गया। नहटौर कोतवाली रोड पर ऑक्सफोर्ड स्कूल के पास उनकी तेज रफ्तार स्कॉर्पियो कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खडे पेड़ से टकरा गई। हादसे में सुल्तान की पत्नी गुलअफ्सा, दोनों पुत्रियां अनादिया, अलिशा और बहन चांद बानो की मौके पर मौत हो गई जबकि सुल्तान, उसका पुत्र शाद और भांजी आदिबा घायल हो गए।

स्वामी 4 पीएम न्यूज नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **संजय शर्मा** द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ–226010 (यूपी) से प्रकाशित। **महाराष्ट्र कार्यालय**:– 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू– मुंबई– 400049। **संपादक** – संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522– 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।